bible educational services

शिक्षक केलिए दिशा-निर्देश

बाइबल टाइम लेवल 3 & 4

B सीरीज़

पाठ 1-6

www.besweb.com

शिक्षक केलिए दिशा- निर्देश।

यह दिशा-निर्देश उन शिक्षकों केलिए प्रकाशित किए है जो बाइबल टाइम सिखाते है। इस पुस्तिका को लेवल 3 लगभग 5-10 के आयु के बच्छो को पठाने में इस्तमाल कर सकते है।

हर एक टिचिन्ग गाइड में वही बाइबल पद का अनुकरण किया है जो बाइबल टाइम पाठ में दिए गए है। बाइबल टाइम पाठ और गाइडलाइन्स साप्ताहिक आधार पर उपयोग करने केलिए बनाया गया है। आप्रैल के पाठ क्रिस्मस से सम्बन्धित है।

कई क्षेत्रों में A4 पाठ और दूसरे क्षेत्रों में A5 पुस्तिका को जिसमे 24 पाठ शामिल है असका उपयोग करते है। आम तौर पर शिक्षक A4 मासिक पाठ का वितरण करेंगे ओर एक हफ्तें में एक पाठ को विध्यालय, गिरिजाघर, या अपने घर ले जाकर पूरा करके वापस लौटाना चाहिए। हर महीने के अन्त में शिक्षक पाठ को इकट्ठा करके जाँचने के बाद जल्द ही लौटाना चाहिए।

आदर्शरूप में पुस्तिका इस्तमाल करते वक्त सत्र के अन्त में जाँच करने केलिए इकट्ठा करते है। हम समझ सकते है कि कई परिस्थितियों में यह असम्भव है। ऐसे स्थिति में पुस्तिका को कक्षा के दुसरे बच्चों में वितरण करके उन से जाँच करवाया जा सकता है। पुस्तिका के पीछे हर महीने का अन्क लिखने और बच्चों की प्रगति के बारे में टिप्पणी लिखने का स्थान दिए गए है। एक प्रमाण पत्र भी है जिसे अलग करके छः महीनों में प्राप्त किए कुल अन्क लिखकर बच्चों को देने है।

शिक्षक केलिए तैयारी

हम आदेशात्मक नही होने चाहते जिसकी वजह से शिक्षक को अपने विचारों और तरीको से सिखाने का अवसर न मिले। यह बाइबल टाइम सिखाने केलिए सिर्फ एक सूझाव है।

- **कहानी से सुपरिचित होना** - शिक्षकों को बाइबल कहानियों और उससे जुडे बाइबल टाइम पाठ से अच्छी तरह से सुपरिचित होना चाहिए। शिक्षक को पहले पाठ पूरा करना चाहिए। हर एक पाठ की दिशा-निर्देशों को ध्यान से पढकर नियोजन सहायता के रूप में भी इस्ततमाल करना चाहिए।

- **विषय को समझना** -हर एक पाठ के आरम्भ में अपने यह वाक्य देखा होगा - "हम सीख रहे हे कि" उसके बाद सीखने के दो उदेश्य भी दिए गए है जो हमे उम्मीद है कि शिक्षक के प्रस्तुति और बच्चे बाइलब टाइम को पूरा करने पर उन्हे समझ आऐंगे। सीखने का पहला उदेश्य है विषय के बारे में ज्ञान प्राप्त करना और दूसरा उदेश्य है बच्चे को इस ज्ञान के बारे में सोचने, प्रयोग करके अनुक्रिया देने केलिए प्रोत्साहन देना। यह निर्देशन पाठ में दिए गए मुख्य विषय सत्य का सूक्षम वक्तत्य है। इसे शिक्षक अपने पढाने और सीखने के अपने व्यक्तिगत मूल्यान्कन केलिए उपयोग कर सकते है।

- **परिचय कराना** - हर पाठ के आरम्भ में उन परिस्थितियों में बच्चों के अपने अनुभव के बारे में पूछकर शुरु करना चाहिए। बच्चों को पाठ का परिचय कराने केलिए कई तरीको का सुझाव दिए गए है। जिसके सहायता से कहानी की प्रारम्भ के बारे में बच्चे सम्वातात्मक चर्च कर सकेंगे।

- **पढाना**- कहानी की मुख्य सारांश हमने दिए है। हम यह नही चाहते की पढाते वक्त शिक्षक इसे देखे। हम चाहते है की शिक्षक इस पाठ से इतना परिचित हो ताकि मनेरन्जक और प्रेरणापद तरीके से बच्चों को वह सीखा पाऐंगे। शिक्षक यह चाहेंगे की बच्चे कहानी की मुख्य पाठ को समझे और उस कहानी को सीखने के बाद अनुक्रिया दे। कई प्रधान व्यख्यों को हम तिरछे अक्षरों में लिखे है।

- **सीखना** -हर एक कहानी में एक मुख्य पद दिए गए है। कई जगह दो पद दिए है। हम चाहते है की बच्चों को अक्सर मुख्य पद याद दिलाते रहे ताकि उन्हे बाइबल पदों के बारे में ज्ञान प्राप्त हो।

- **पूरा करे** - एक विध्यालय कि माहोल में बच्चो की सामर्थ्य और शिक्षक की तरह से दिए जाने वाले मदद के बारे में हमे पता होता है। कई बच्चों केलिए ज़रूरी है की शिक्षक उन्हे पाठ पढ के सुन्ाए। अन्य बच्चों स्वयं पढ सकते है। दोनों हाल में यह अच्छा होगा अगर बच्चों का ध्यान हम सवालों से सम्भन्धित निर्देशों के और खीच सके। अगर आप स्कूल से बाहर बाइबल टाइम सीखा रहे हो तो यह बहुत ज़रूरी है कि आप मदद केलिए मौजूद हो ताकि बच्चों को यह न लगे की यह एक बहुत ही मुश्किल काम या परीक्षा है। पढाते वक्त उसे मज़ेदार बनाना प्रोत्साहित करना और तारीफ करना अनिवार्य है।

• **याद करना**- पाठ को दोहराते वक्त पहेली या अभिनय द्वारा उसे मनोरंज़क बनाए ताकि बच्चों को वह हमेशा याद रहे।

1. मुख्य पद को सिखाना

पद को कागज़ या बोर्ड में लिखे और जैसे बच्चे उसे दोहरराते है पद से एक-एक पद करके निकाले ताकि अन्त में पूरा पद को निकाल दिया जाए और बच्चे उन्हे बिना देखे दोहराए।

2. मुख्य पद को परिचय कराने केलिए

A. बच्चों को दो झुण्ड में डालेः एक झुण्ड को कई अक्षर लिखे हुए परचियाँ दे और दुसरे झुण्ड को खाली परचे। बच्चे आपस में मिलकर उसे पूरा करे और सीखे।

B. सबसे पहले जो बच्चा बाइबल में यह पद ढूँढे वह जोर से उसे पढे।

समय योजना

क्रमः हर पाठ केलिए हम एक ही क्रम दिए है। लेकिन शिक्षक चाहे तो इच्छा अनुसार बदल सकते है।

1. प्रस्तुतीकरण और कहानी को सुनाना - लगभग 15 मिनट
2. मुख्य पद को पढाना - 5-10 मिनट
3. कार्य-पत्र को पूरा करना - 20 मिनट
4. सवाल-जवाब और दूसरे क्रियाकलाप - 5-10 मिनट

हमेशा यह कहावत याद रकनाः

"मुझे सुनाईए, मैं भूल सकता हूँ,
'मुझे दिखाईए, मैं याद रखूँगा,
मुझे शामिल करे, मैं सीख लूँगा।"

बाइबल टाइम पाठ्यक्रम

	लेवल 0 (प्री स्कूल) लेवल 1 (उम्र 5-7) लेवल 2 (उम्र 8-10)	लेवल 3 (उम्र 11-13)	लेवल 4 (उम्र 14+)
सीरीज़ A	1. सृष्टी 2. नूह 3. पतरस 4. पतरस- क्रूस 5. अब्राहम 6. अब्राहम 7. पतरस 8. पतरस 9. याकूब 10. प्रथम ईसाई 11. पौलूस 12. क्रिसमस की कहानी	1. सृष्टी 2. नूह 3. पतरस 4. पतरस- क्रूस 5. पतरस 6. अब्राहम 7. याकूब 8. प्रार्थना 9. पौलूस 10. पौलूस 11. पौलूस 12. क्रिसमस की कहानी	1. सृष्टी और पाप 2. उत्पत्ति 3. पतरस 4. पतरस- क्रूस 5. पतरस 6. अब्राहम 7. याकूब 8. मसीही जीवन 9. पौलूस 10. पौलूस 11. पौलूस 12. क्रिसमस की कहानी
सीरीज़ B	1. मसीह का प्रारम्भीक जीवनकाल 2. अलौकिक कर्म 3. बैतनिय्याह 4. क्रूस 5. दृष्टान्त 6. यूसुफ 7. यूसुफ 8. यीशु ने मिले लोग 9. मूसा 10. मूसा 11. मूसा 12. क्रिसमस की कहानी	1. दृष्टान्त 2. अलौकिक कर्म 3. बैतनिय्याह 4. क्रूस 5. प्रथम ईसाई 6. यूसुफ 7. यूसुफ 8. सुसमाचार के लेखक 9. मूसा 10. मूसा 11. मूसा 12. क्रिसमस की कहानी	1. दृष्टान्त 2. अलौकिक कर्म 3. बैतनिय्याह 4. क्रूस 5. प्रथम ईसाई 6. याकूब और परिवार 7. यूसुफ 8 प्रेरितों 2:42 आगे की और 9. मूसा 10. मूसा 11. व्यवस्था 12. क्रिसमस की कहानी
सीरीज़ C	1. दानियेल 2. और अलोकिक कर्म 3. यीशु ने मिले लोग 4. मसीह की मौत 5. रूत और शमुएल 6. दाऊद 7. दाऊद 8. यहोशू 9. एलिय्याह 10. एलिय्याह 11. योना 12. क्रिसमस की कहानी	1. दानियेल 2. यीशु ने मिले लोग 3. और अलोकिक कर्म 4. मसीह की मौत 5. रूत 6. शमूएल 7. दाऊद 8. यहोशू 9. एलिय्याह 10. एलिय्याह 11. परमेश्वर द्वारा उपयुक्त लोग (पुराना नियम) 12. क्रिसमस की कहानी	1. दानियेल 2. यीशु की कहावत 3. प्रभु की शक्ति 4. मसीह की मौत 5. रूत 6. शमूएल 7. दाऊद 8. यहोशू 9. एलिय्याह 10. एलिय्याह 11. पुराने नियम के और किरदार 12. क्रिसमस की कहानी

	B1 – लेवल 3 कहानी 1- दृष्टान्त हमारा पडोसी कौन है?	B1 – लेवल 4 कहानी 1- दृष्टान्त दो देनदारें।
	बाइबल अनुभाग: लूका 10: 25-37 ***मुख्य पद : लूका 10: 27*** **हम सीख रहे की :** 1. हमारे पड़ोसी वे हैं जिन्हें उनकी जाति या धर्म की परवाह किए बिना हमारी सहायता की आवश्यकता है। 2. परमेश्वर के लिए हमारे प्यार का प्रदर्शन हम अपने पड़ोसियों कि आध्यात्मिक, भौतिक या आर्थिक ज़रूरतों में सहायता करके कर सकते हैं।	***बाइबल अनुभाग: लूका 7: 36-50*** ***मुख्य पद : रोमियों 5: 1*** **हम सीख रहे की :** 1. हम सभी प्रभु यीशु मसीह की दृष्टि में देनदार हैं - हम सभी ने पाप किया है इसलिए हम परमेश्वर के लिए आभारी हैं। 2. यदि हमारे पाप के लिए हमें माफ़ी मिले है तो हमारे जीवन कि पवित्रता और सेवा में प्रभु यीशु के लिए प्यार और भक्ति दिखना चाहिए।
पहचान कराने	पड़ोसी शब्द के अर्थ पर चर्चा करें। और समझाएं की नज़दीक रहने से हम अच्छे पडोसी नहीं बन सकते। लेकिन दूसरों क लिए हमारी दोस्ती और अनुकंपा हमें अच्छे पडोसी बनाते है।	बच्चों को समझाएं की इस कहानी में शामिल है: 1. तीन जीवित व्यक्ति - यीशु, पापिनी स्त्री और शमौन फरीसी; 2. तीन काल्पनिक लोग - लेनदार, जो व्यक्ति 500 दीनार का देनदार था और वह व्यक्ति जो 50 दीनार का देनदार था 3. तीन सवाल - **पद 42, 44 - 49**
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. a) वह आदमी जिन्हे डाकुवों ने घेरा उसका कपडे उन्होंने उतारे और मार पीटकर उसे अधमरा छोड़ा **(पद 30)**; (b) एक सामरी दया दिखाता है **(पद 33)** और अपने घावों को बांधा, और यह सुनिश्चित करता है कि जब तक वह वापस नहीं लौट ता उसका देखभाल किया जाए। **(पद 33-35)** 2. अदन वाटिका में मनुष्यों के पाप के परिणामस्वरूप परमेश्वर हमें पापों में मरे हुए देखता है। **(इफिसियों 2:1)** परमेश्वर ने हमें पापियों के रूप में करुणा दिखाया और अपने पुत्र यीशु मसीह, इस दुनिया में भेजा ताकि उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से हम अपने पापों और हमारे जीवन में इसके प्रभाव से चंगा हो सके। अच्छे सामरी की तर, यीशु हमारे पास आकर हमारी जरूरत को पूरा किया। **मुख्य पद को सिखाएं और छात्रों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। पाठ 1 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. शमौन का आत्म-धर्मी; स्त्री के पश्चाताप, आनन्द, प्रेम और कृतज्ञता के आँसू; और परमेश्वर इस स्त्री के प्रति शमौन के मन में नफ़रत को जानता था। **(पद 36-39)** 2. इस दृष्टान्त स्पष्ट करता है कि यीशु हमारा लेनदार है। हम परमेश्वर के कर्जदार हैं। और जब यीशु क्रूस पर अपना प्राण दी उसने हमारे लिए कर्ज का भुगतान किया था। यीशु जानता था कि शमौन ने खुद को 50 दिनार का देनदार और उस स्त्री को 500 दिनार देनदार के रूप में देखा रहा था। यीशु चाहता था की शमौन यह सीखे की पाप का कोई दर्जा नहीं होता। दोनों देनदार अपने कर्ज का भुगतान करने में असमर्थ थे, लेकिन लेनदार ने उन दोनों को माफ़ कर दिया। **(पद 40-43)** 3. जब उनसे पूछा गया कि कौन सा देनदार साहूकार को अधिक पसंद करेंगे, शमौन को स्वीकार करना पड़ा कि वह व्यक्ति था जिसका ज्यादा कर्ज माफ किया गया था। **(पद 42)** यीशु ने उसके लिए इस स्त्री के प्यार की और शमौन पर सिमोन का ध्यान आकर्षित किया और उसे शमौन के सम्मान का अभाव और यीशु के लिए उसका प्यार से तुलना किया। **(पद 44)** यीशु ने यह भी बताया कि वह पापों को माफ कर सकता है लेकिन यह स्त्री को उसकी कर्म ने नहीं विश्वास ने बचाया था। **(पद 48-50)** **मुख्य पद का व्याख्या कीजिये और छात्रों को इसे स्मरण करने के लिए प्रोत्साहित करें। अध्याय 1 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	बच्चों को यह दृष्टान्त के प्रयोज्यता को समझने के लिए प्रश्न पूछें।	**प्रेरितों 13: 38,39** पढ़ें और चर्चा करें कि कैसे यह पद सारांशित करता है जो प्रभु यीशु इस अध्याय में सीखा रहा है। **इफिसियों 4: 32** को पढ़ें और चर्चा करें कि जिन लोगों को माफ किया गया है वे दूसरों से कैसे व्यवहार करना चाहिए। और यह भी की हमारे सभी पापों (या क़र्ज़) को क्षमा मिलने पर कैसे एहसास होना चाहिए।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. क्या छात्रों ने मन-परिवर्तन का अनुभव किया है? 2. निम्नलिखित लोगों के बारे में सोचें जिन से वे मित्रतापूर्ण, या स्नेहशील हो सकते हैं: a) वे लोग जिन्हे रूपांतरण का अनुभव नहीं है; (आध्यात्मिक) b) वे लोग जो अपाहज है; (शारीरिक) c) वे लोग जिसे पर्याप्त भोजन नहीं मिलते; (आर्थिक)	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. शमौन ने उदासीनता से प्रभु यीशु से बर्ताव किया, और इसका कोई सबूत नहीं है कि उसने कभी पश्चाताप करके माफी और शांति प्राप्त किया था। **(पद 50)** 2. यीशु के प्रति उनका रवैया कैसा है? क्या उन्होंने अपने पाप का पश्चाताप किया है और क्षमा मिलने के लिए प्रभु के पास गए है? 3. अगर उन्हें माफ किया गया है क्या वे अपने समय, प्रतिभा और संपत्ति के मामले में सबसे श्रेष्ठ यीशु को देते हैं? चर्चा करें की कैसे उस स्त्री ने प्रतिक्रिया दी थी?

	B1 – लेवल 3 कहानी 2- दृष्टान्त धनवान किसान।	B1 – लेवल 4 कहानी 2- दृष्टान्त मेरा पड़ोसी कौन है?
	बाइबल अनुभाग: लूका 12: 13-21 ***मुख्य पद : लूका 12: 15*** **हम सीख रहे की :** 1. धनवान किसान संपत्ति से समृद्ध था लेकिन आध्यात्मिकता में दिवालिया था। क्योंकि उसके जीवन में परमेश्वर नहीं था। 2. यदि हमारे जीवन में अन्य चीज़ों से परमेश्वर को प्रधानता देंगे तो परमेश्वर अपनी महिमा के लिए हमारे जीवन का उपयोग करेगा, 3. चाहे हमारे पास बहुत कम हो या ज़्यादा।	***बाइबल अनुभाग: लूका 10: 25-37 और फिलिप्पियों 2:1-11*** ***मुख्य पद : लूका 10:27*** **हम सीख रहे की :** 1. उनकी जाति या धर्म की परवाह किए बिना जिस व्यक्ति को हमारी मदद की आवश्यकता है वह हमारा पड़ोसी है और उसे दयालुता दिखाने हमारी जिम्मेदारी है। 2. क्रूस पर उनकी मृत्यु से प्रभु यीशु हमें बचा सकता है। जैसे कि सामरी ने किया, वह हमें सुरक्षित स्थान पर रख सकते हैं और हमारी ज़रूरतों को पूरा कर सकते हैं।
पहचान कराने	पसंदीदा संपत्ति के बारे में बात करें। लालच के पाप पर चर्चा करें, और सुनिश्चित करें कि बच्चे यह समझें कि पृथ्वी की चीजों को इकट्ठा करना और उनका मालिक बनने का तीव्र इच्छा स्वार्थी है। और यह सब हमारे मृत्यु के बाद ले जा भी नहीं सकते। दस आज्ञाओं की और संकेत करें और बताइए कि आखिरी आज्ञा 'लालच न करना' है। **(निर्गमन 20:17)**	बच्चों को समझाएं की इस कहानी में शामिल है: चर्चा करें की हमारे पडोसी कौन है।चर्चा करें कि एक पड़ोसी होना निकट रहने से ज़्यादा दयालु और मित्रतापूर्ण व्यवहार करना है। प्रभु चाहता है की उनके बच्चे अपने शत्रुओं से भी सज्जनतापूर्ण व्यवहार करें, मसीही के लिए एक उच्च मानदण्ड !
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. इस व्यक्ति का आध्यात्मिक चीज़ों के महत्व और प्राकृतिक, अस्थायी चीज़ों के संबंध में अज्ञानता के कारण यीशु ने उसे मूर्ख बुलाया। वह इसलिए मूर्ख था क्योंकि: a) एक अनीश्वरवादी मूर्ख - वह परमेश्वर के बिना अपना जीवन जी रहा था। जीवनकाल कई दिलचस्प चीजों से भरा हो सकता है लेकिन परमेश्वर के बिना यह शून्य है। वह समझ नहीं पा रहा था कि उसकी सारी संपत्ति परमेश्वर ने दिया था। b) एक दरिद्र मूर्ख - वह वास्तव में एक गरीब, अमीर आदमी था - गरीब अपने अनन्त भविष्य के संबंध में। वह परमेश्वर की बजाय अपने धन पर अपना दिल लगाते हैं। c) एक आत्म केंद्रित मूर्ख - **पद 17-19** में ध्यान दो की छः बार 'मैं', पाँच बार 'मेरे' और चार 'मैं करूंगा' शब्द का उपयोग किया है। परमेश्वर जो उन्हें यह सारे सम्पत्ति दी, उसके विचारों में भी नहीं था। उसने अपनी प्राण को भी अपना समझकर कहा - मेरा प्राण। d) एक महत्वाकांक्षी मूर्ख - वह अपनी महत्वाकांक्षा में स्वार्थी था क्योंकि वह भविष्य में चैन से खा पीकर सुख और सुरक्षा से अपनी इच्छाओं को संतुष्ट रककर जीने के बारें में बात कर रहा था। **(पद 19)** e) एक मरणोन्मुख मूर्ख - वह जिस परमेश्वर को भूल गया था उसे बताता है; 'उसका प्राण ले लिया जायेगा' **(पद 20)** परमेश्वर हमें जीवन देता है और वे हमारा जीवन ले भी सकता है। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ को पूरा करें**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. जब एक व्यवस्थापक ने यीशु से पूछा कि स्वर्ग के वारिस होने के लिए उन्हें क्या करना चाहिए, प्रभु यीशु ने उससे पूछा कि व्यवस्था में क्या लिखा गया था। उसमे लिखा गया है की परमेश्वर और पड़ोसी को सारे मन, प्राण, शक्ति और बुद्धि से प्यार करना। यीशु दिखा रहा था कि व्यवस्था या दस आज्ञाओं का उद्देश्य हमें पाप से बचाने के लिए नहीं लेकिन हमें यह दिखाने के लिए था कि हम कितने बड़े पापी है। 2. व्यवस्थापक को यह समझना था कि वह परमेश्वर के मान से चूक गए है और उसे परमेश्वर से बचाव के लिए याचना करना चाहिए था। लेकिन घमण्ड में उसने प्रभु से पूछता है, 'तो मेरा पड़ोसी कौन है?' जवाब देने के लिए प्रभु दयालु सामरी की कहानी बताता है। याजक और लेवी यहूदी थे और यहूदियों सामरी से नफरत करते थे। उन्होंने मदद करने से इंकार कर दिया, लेकिन तिरस्कृत सामरी ने पीड़ित के बचाव में आ गया। व्यवस्थापक को कबूल करना पड़ा कि घायल यहूदी के लिए सामरी एक सच्चे पड़ोसी साबित हुआ। 3. याजक और लेवि में हम पापियों की मदद करने के लिए कानून की शक्तिहीनता देखते हैं। और दयालु सामरी हमें यीशु की याद दिलाता है, जिन्होंने हमारी ज़रूरत को समझकर हमारे पास आया ताकि हमें हमारे पापों की दंड से बचा सके। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 2 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	धनवान किसान ने तीन गंभीर गलतियां कीं: 1. वह जीवन के उद्देश्य को भूल गया। **फिलिप्पियों 1:21** पढ़िए और पौलुस को उनके जीवन के लिए उद्देश्य के बारे में व्याख्या करें। 2. वह अपनी संपत्ति का खुद के लिए इस्तेमाल किया। **फिलिप्पियों 4:19** पढ़िए और समझाएं कि जब हम दूसरे की जरूरतों को पूरा करते हैं तो परमेश्वर कैसे हमारी ज़रूरतों का ख्याल रखता है। 3. वह अपने भविष्य के संबंध में सतर्क थे लेकिन अपनी आत्मा को खो दिया था। **मरकुस 8:36,37** पढ़ो और चर्चा करें कि कैसे ये पद धनवान किसान से संबंधित हैं।	फिलिप्पियों की बाइबल अध्ययन का ज़िक्र करें और इस पाठ को संक्षेप में प्रस्तुत करें। बच्चों को समझाएं कि **पद 1-4** मसीही में अच्छे पड़ोसी होने की गुणों का उल्लेख करते हैं और **पद 5-11** से पता चलता है कि यीशु प्यार का अंतिम उदाहरण है, क्योंकि वह हमारे लिए अपना प्राण दिया था।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. उन तरीकों की सूची बनाएं जिनसे हम दूसरों की मदद के लिए हमारी संपत्ति का उपयोग कर सकते हैं 2. विचार करें कि जो लोग मसीही नहीं हैं वे यीशु मसीह में अपने विश्वास को प्राथमिकता देना चाहिए (यूहन्ना) और अपने जीवन में उन्हें पहला स्थान देना चाहिएं।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** हर कोई हमारे पड़ोसी है: 1. हम शारीरिक, आध्यात्मिक या भौतिक आवश्यकताओं वाले लोगों की सहायता कैसे कर सकते हैं? 2. अच्छा पड़ोसियों के बारे में **लूका 6:35** क्या कहता है? हम यह कैसे प्रयोग में ला सकते हैं?

	B1 – लेवल 3 कहानी 3- दृष्टान्त बीज बोने वाला।	B1 – लेवल 4 कहानी 3- दृष्टान्त धनवान मूर्ख
	बाइबल अनुभाग : मरकुस 4: 1-20 ***मुख्य पद : मरकुस 4: 20*** **हम सीख रहे की :** 1. बीज परमेश्वर का वचन है। 2. विभिन्न प्रकार की मिट्टी मानव ह्रदय का प्रतिनिधित्व करती है और कितना ग्रहणशील वे परमेश्वर के वचन के लिए हैं।	**हम सीख रहे की :**
पहचान कराने	समझाओ कि यीशु ने अक्सर कुछ सच्चाई को सिखाने के लिए दृष्टान्तों का उपयोग करता था। आम तौर पर दृष्टांतों का गहरा, आध्यात्मिक अर्थ होता था। कभी-कभी उसने अर्थ की व्याख्या नहीं की लेकिन इस अवसर पर उन्होंने एक पूर्ण विवरण दिया। विभिन्न स्थानों बोए बीज, परमेश्वर के वचन के लिए अलग-अलग प्रतिक्रियाओं को दर्शाता था।	इस दृष्टांत कि पृष्ठभूमिक पर चर्चा करें। यह एक आदमी के बारें में है जो वसीयत नामा से जुड़े विवाद में हस्तक्षेप करने के लिए प्रभु से कहता है। बच्चों को याद दिलाएं कि प्रभु उसे कैसे दिखाता है कि उनके इस पृथ्वी में आने का उद्देश्य वसीयत नामा कि कानूनी मुद्दों को सुलझाने के लिए नहीं था बल्कि पापी लोगों को बचाने के लिए था। ये भौतिक चीज़े उन आध्यात्मिक मामलें जिन्हे हमारे ध्यान की ज़्यादा आवश्यकता है, उसकी तुलना में बहुत ही तुच्छ हैं।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. मार्ग के किनारे **(पद 15)** वह व्यक्ति है जो परमेश्वर से 'न' कहता है। शैतान को बीज उठाकर दूर ले जाने वाले पक्षियों से समान किया गया है। यह व्यक्ति परमेश्वर के वचन के प्रति बेपरवाह है। 2. पथरीली भूमि **(पद 16,17)** वह व्यक्ति है जो विश्वास का स्वीकार करता है, कुछ समय के लिए अच्छी तरह से उसका पालन करता है और जब उत्पीड़न आता है या उसे मसीह के पक्ष में खड़ा होना पड़ता है, वह तय करता है कि इस के लिए कीमत बहुत बड़ी है और अपनी पूरी निर्णय को त्याग देता है। उत्पीड़न के समय इस व्यक्ति की स्थिरता प्रकट होता है। 3. झाड़ियों भरे भूमि **(पद 18,19)** वे लोग हैं जो अच्छी शुरुआत करते हैं और सच्चे मसीही होते है, हालांकि वे व्यवसाय, धन और भौतिक चीज़ों में अधिक रूचि रकना शुरू करते हैं और एक मसीही बनने की निर्णय को त्याग देता है; वे निष्फल रह जाते है। 4. अच्छी भूमि **(पद 20)** वे लोग है - जो वचन को स्वीकार करके अपने पाप के पश्चाताप करते हैं और परमेश्वर पर भरोसा रखते हैं - और किसी भी कीमत पर ईमानदारी से उनका अनुगमन करते है। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 3 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. यह दृष्टान्त बताता है कि संपत्ति जीवन में प्रमुख चीजें नहीं हैं। वे परमेश्वर द्वारा हमें दिए गए हैं और हम उन्ही उनके महिमा और सम्मान के लिए उपयोग करने के लिए होती हैं। इस आदमी को यह समझना चाहिए था कि उसकी बहुतायत सम्पत्ति में से कुछ उसे ज़रूरतमंद लोगों को देना चाहिए। 2. उसने भविष्य की योजना बनाई है - ध्यान दे की कितनी बार उसने 'में' और 'मेरे' शब्द के प्रयोग किया है। **(पद 17-19)** परमेश्वर को इस आदमी के जीवन के लिए दूसरें योजनाएं थीं और उसे बताया कि उस रात उसका प्राण लिया जायेगा। **(पद 20)** उसकी साड़ी योजना कब्र पर समाप्त हो जाएगी और वह एक मूर्ख था क्योंकि उसके पास अनन्त दुनिया के लिए तैयार नहीं था। **आमोस 4:12** में दिए गए चेतावनी को देखें। 3. बताइए कि परमेश्वर इस दृष्टान्त में एक बहुत ही गंभीर सवाल पूछते हैं, '... तब जो कुछ तू ने इकट्ठा किया है वह किसका होगा?' **(पद 20)** बताओ कि हमें हमारे सम्पत्ति और प्रतिभा का उपयोग परमेश्वर के राज्य के विस्तार के लिए करना चाहिए। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 3 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	सुनिश्चित करें कि छात्रों को चार अलग-अलग प्रकार की भूमि में अंतर समझते हैं। **पद 20** में फलवन्त की अलग-अलग दर्जा के बारे में चर्चा करें; तीस गुणा, साठ गुणा और सौ गुणा, और समझाए कि सबसे अधिक फलवन्त जीवन उन लोगों का है जो स्वेच्छा से परमेश्वर के वचन का पालन करते हैं और ऐसा करने में खुशी लेते हैं।	विचार करें की **भजन संहिता 11: 4 -29** और **मत्ती 6: 19-21** कैसे इस पाठ को संक्षेप में प्रस्तुत करते है। लालच के संबंध में **निर्गमन 20:17** पर भी गौर करें।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. किस प्रकार की भूमि हर एक दिल का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करता है? 2. मसीहियों के लिए, स्कूल या अन्य जगहों पर यीशु के लिए निर्णय लेकर खड़े होने का अनुभव क्या है? 3. एक मसीही के रूप में, कुछ तरीकों के बारे में सोचें, जिससे हमारा जीवन प्रभु यीशु के लिए फलवन्त हो सकता है। हम सभी का अभिलाषा क्या होना चाहिए - तीस गुणा, साठ गुणा या सौ गुणा?	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** हर कोई हमारे पड़ोसी है: 1. जीवन कि वास्तविक उद्देश्य को सुनिश्चित करने का आवश्यकता 'मेरे लिए जीवित रहना मसीह है' **(फिलिप्पियों 1:21** में पौलुस) 2. दूसरों की भलाई के लिए हमारी संपत्ति का उपयोग करने का महत्व। दूसरों की सहायता करने के लिए कुछ विचारों की एक सूची बनाएं। 3. हमारे उद्धार की कीमत पर लालच का पीछा न करने का महत्व।

	B1 – लेवल 3 कहानी 4- दृष्टान्त दूसरों को क्षमा करना।	B1 – लेवल 4 कहानी 4- दृष्टान्त बड़े भोज।
	बाइबल अनुभाग: मत्ती 18: 21-35 ***मुख्य पद : इफ़िसियों 4:32*** **हम सीख रहे की :** 1. मसीहियों को माफ करने सिखाने के लिए यह दृष्टान्त कहा गया था। 2. हम माफी में असीमित होना चाहिए।	***बाइबल अनुभाग: लूका 14:15-24*** ***मुख्य पद : यूहन्ना 6:37*** **हम सीख रहे की :** 1. परमेश्वर ने स्वर्ग में उन सभी लोगों के लिए एक भोज का वादा किया है, जिन्होंने उनके बुलावा 'मेरे पास आओ' **(मत्ती 11:28)** पर प्रतिक्रिया दी थीं। 2. हम में से जिसे प्रभु यीशु के द्वारा मोक्ष मिले है, हमें यह ज़िम्मेदारी है की हम दूसरों को यीशु कि बुलावे को स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित करे ।
पहचान कराने	पतरस को माफ़ी के सम्बन्धी क्या समस्या था। समझाओ कि वह जानता था कि पुराने नियम में अधिक से अधिक एक व्यक्ति को तीन या चार गुना माफ़ किया जाता था। **(आमोस 2:6)** प्रभु यीशु के शिष्य के रूप में उनका मानना है कि उन्हें माफ़ी करने में और अधिक उदार होना चाहिए और सात बार माफ़ करने का सुझाव देता है। **(पद 21)** हालांकि, प्रभु सात बार के सत्तर गुने तक माफ़ करने को कहता है। जिसका मतलब है कि हमें दूसरों को क्षमा करने में असीमित होना चाहिए।	बताइए कि कैसे पूर्व में, उच्च श्रेणी के लोग दावत के लिए दो बुलावा भेजते है। पहला बुलावा बताता है कि तैयारी की आवश्यकता और दूसरा बुलावा संकेत देता है कि दावत तैयार है। इस कहानी में उन आमंत्रितों को भोजन में शामिल होने का कोई इरादा नहीं था और वे बहाने बना रहे थे।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. जब स्वामी समझ गया कि दास अपने भारी कर्ज का भुगतान करने में असमर्थ था उसने तरस खाकर उसे छोड़ दिया और कर्ज भी क्षमा कर दिया। **(पद 25-27)** दास को उसका दण्ड से छोड़ देना दया का एक कर्म था। 2. हमारे पाप के महा कर्ज का भुगतान हम नहीं कर सकते। और उसकी सजा से बचने के लिए परमेस्वर की दया की आवश्यकता है। हम मसीह के कर्म के माध्यम से उद्धार प्राप्त कर सकते हैं, जिन्होंने क्रूस पर दुनिया के पाप का कर्ज चुकाया। परमेश्वर ने अपना पुत्र को भेजा जिसने 'बहुतों की छुड़ौती के लिये अपने प्राण दिया' **(मत्ती 20:28)** 3. जिस दास को माफ किया गया था, वह अपने दास को माफ कर देना चाहिए था, क्योंकि उसका कर्ज उसके तुलना में बहुत कम था। वह उसे मिला क्षमा और दया भूल गया। 4. हमें दूसरों के प्रति उसी तरह व्यवहार करना चाहिए जिस तरह प्रभु यीशु हमारे प्रति व्यवहार किया है। अगर हम प्रभु से संबंध रखने का दावा करते हैं तो हमें अपने दुश्मनों सहित अन्य लोगों को क्षमा करना चाहिए। (मुख्य पद को देखे) **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 4 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. बड़े भोजन हमें इस तथ्य की याद दिलाता है कि प्रभु यीशु ने क्रूस पर मरने से हमारे उद्धार पाने का काम समाप्त कर दिया था। और इसके परिणामस्वरूप सुसमाचार का निमंत्रण सभी के पास जाता है। 2. तीन बहाने असली नहीं थे। और हर एक मामले में उन लोगों को उपस्थित होने के लिए व्यवस्था बना सकते थे। पहला बहाना **(पद 18)**; जबकि उन्होंने माफी मांगी, यह विश्वास करना मुश्किल है कि एक यहूदी देखे बिना जमीन खरीद लेगाऔर भोजन रात को था और वैसे भी वह रात को भूमि देख नहीं पाएगा। दूसरा बहाना **(पद 19)**; यह आदमी अवज्ञापूर्ण तरीके से जवाब देता है और माफ़ी नहीं मांगता। और ऐसे लगता है की उसके लिए बैल भोजन से ज़्यादा अहम है। तीसरा बहाना **(पद 20)**; इस आदमी ने एक कमज़ोर बहाना दिया, वह अपनी पत्नी को दावत में ला सकता था। 3. पहला बहाना उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो भौतिक संपत्ति पर अधिक महत्व देते हैं। दूसरा बहाना वे हैं जो अपने व्यवसायों में बहुत व्यस्त हैं। और तीसरा बहाना उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जिनके घर की जिम्मेदारियों ने उनका समय ले लिया है। 4. मेजबान नाराज है और इन बहनों पर अपमानित महसूस करता है। और वह अपने दास को सड़कों और बाड़ों की ओर गरीब, लंगड़ा और अंधा को आमंत्रित करने के लिए भेजता है। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 4 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	चर्चा करें की कैसे यह पद दया और अनुग्रह दोनों को दर्शाता है। **तीतस 3:5** को पढ़े। हमें उद्धार हमारे धर्म के कामो की वजह से नहीं मिला बल्कि प्रभु यीशु के अनुग्रह के कारण मिला। और समझाए कि दया हमें एक सच्ची रास्ता प्रदान करती है जिससे हम परमेश्वर की सजा से बच सकते हैं। **इफ़िसियों 2:8** पढ़े 'अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है।' उद्धार पाना परमेश्वर का अनुग्रह और दान है - जो हमें अनन्त सुरक्षा देती है, जिसका हम योग्य नहीं हैं और हमारे दम पर इसे कभी प्राप्त नहीं कर सकते।	समझाओ कि यह दृष्टान्त दिखते है की जो लोग सुसमाचार को खारिज किया वे यहूदी थे और फिर यह जातियों को पेशकश की गई जो ज़्यादा अनुकूल थे। सुनिश्चित करें कि छात्रों इसका प्रासंगिकता समझते है कि जो लोग परमेश्वर की दया और अनुग्रह को अस्वीकार करते रहते हैं, वे एक दिन पाएंगे कि बहुत देर हो चुकी है। और स्वर्ग में सुसमाचार के दावत के द्वार बंद हो गया है। कुछ बहाने के बारे में सोचें जो आज कल की लोग सुसमाचार का विरोध करने के लिए बना सकते हैं।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. यह पाठ माफी के बारे में कैसे चुनौती देता है? 2. हम दूसरों को क्षमा क्यों करना चाहिए? **3. इफ़िसियों 4:32** को पढ़े यह जानने के लिए की क्षमा के साथ वे अन्य गुण क्या हैं जो हममे होना चाहिए।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. सड़कों और बाड़ों से आए लोग यह दिखाते है की शाही मेज पर बैठने के लिए कोई भी अयोग्य नहीं है। 2. सभी को उद्धार के अनुग्रह में लाने के लिए प्यार से अननय कर सकते है। लोगों को परमेस्वर के राज्य में प्रवेश करने लोगों के लिए अभी भी जगह बाकी है।

	B2 – लेवल 3 कहानी 1- आश्चर्यकर्म पानी दाखरस में बदलना।	B2 – लेवल 4 कहानी 1- आश्चर्यकर्म पानी दाखरस में बदलना।
	बाइबल अनुभाग: यूहन्ना 2: 1-11 *मुख्य पद : यूहन्ना 2: 11* **हम सीख रहे की :** 1. हमें प्रभु यीशु का आज्ञा पालन करना चाहिए। 2. जब हम प्रभु यीशु पर भरोसा करते हैं, तो वह हमारे जीवन में खुशी लाता है।	*बाइबल अनुभाग: यूहन्ना 2:1 -11* *मुख्य पद : यूहन्ना 15:14, यूहन्ना 2:5* **हम सीख रहे की :** 1. अगर हम प्रभु यीशु से प्यार करते हैं तो हमें शादी में मरियम ने जो निर्देश दासों को दिया उसे सुनना चाहिए; 'जो कुछ वह तुम से कहे, वही करना।' **(यूहन्ना 2:5)** 2. इस आश्चर्यकर्म को करके प्रभु यीशु ने सभी लोगों को यह दिखाया कि वह वास्तव में मानव शरीर में परमेश्वर ही थे, और चेलों के विश्वास को और मजबूत किया।
पहचान कराने	एक पूर्वी शादी के विचारों का परिचय दे। समझाएं कि इस भाग में मरियम को यीशु की मां कहा गया है **(पद 1)** समझाओ कि प्रभु यीशु कुँवारी मरियम का पुत्र होने की वजह से प्रसिद्ध नहीं था लेकिन मरियम मशहूर हुई क्योंकि वह प्रभु की मां थी। समझाएं कि बाइबल हमेशा प्रभु यीशु को मरियम से ऊँचा स्थान देती है।	चर्चा करें की आश्चर्यकर्म क्या है? और वे सुसमाचारों में क्यों दर्ज हैं? यूहन्ना का सुसमाचार में सात आश्चर्यकर्म के बारें में ज़िक्र किया गया है जो जो सभी खुले आम किए गए थे। जिनमें से पहला गलील के काना की शादी में हुआ। अन्य आश्चर्यकर्म थे: राजकर्मचारी के पुत्र को चंगा करना; बैतहसदा कुण्ड के पास रोगी को चंगा करना; पांच हजार पुरुषों को खिलाना;यीशु का समुद्र पर चलना; अंधा आदमी की चंगा; और लाज़र को मृतकों में से जी उठाना। चेले के लिए निजी तौर पर आयोजित आठवें चमत्कार था पुनरुत्थान के बाद 153 मछलियों की चमत्कारी पकड़ में।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. प्रभु यीशु को शादी में आमंत्रित करना बहुत ज्ञानपूर्ण निर्णय था, जैसे कि हमारे दिल में, हमारे घर में और हमारे सामाजिक जीवन में यीशु को आमंत्रित करना। 2. शादी की शुरुआत में ही दाखरस खत्म होने पर मेहमान निराश हो गए थे। लेकिन ऐसे स्थिति में उन्होंने मदद के लिए प्रभु यीशु की तरफ देखा। 3. सबसे अच्छा दाखरस आखिर के लिए रकना हमें यह याद दिलाता है की हमारे मसीही जीवन बेहतर होता रहता है। 4. यह आश्चर्यकर्म ने दिखाया की मसीह परमेश्वर के पुत्र है और चेलों के विश्वास भी इसके बाद मजबूत हो गया। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 1 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. प्रभु यीशु, उसकी मां और चेले सब उस शादी के मेहमान थे जहां पानी दाखरस में बदल गया था। 2. मरियम ने अपने दासों को प्रभु यीशु के पास भेजा और उसने जो नौकरों को बताया वह उसकी अंतिम दर्ज शब्द थे:'जो कुछ वह कहे, वही करना।' उसने उपस्थित लोगों को प्रभु यीशु की ओर निदेशित किया क्योंकि किसी और के बजाय वे ही है जिसका आज्ञा मानना चाहिए । 3. साधारण रीति से शादी के शुरुआत में सबसे अच्छी दाखरस की सेवा होता था लेकिन इस शादी में अंत में सबसे अच्छा दाखरस परोसा गया था। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 1 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	एक प्रश्नोत्तरी के माध्यम से इस आश्चर्यकर्म की समीक्षा करो जिससे बच्चों को इस पाठ के प्रश्नों का उत्तर देने में मदद मिले।	ऊपर दिए तथ्य को मसीही जीवन में लागू करके सबक की समीक्षा करें। ध्यान दे: 1. बाइबल में दाखरस खुशी दिखाता है। जब मरियम ने कहा: 'उनके पास दाखरस नहीं रहा।' **(पद 3)** वह इसकी सही वर्णन कर रहे थे जिन अविश्वासियों ने प्रभु यीशु पर भरोसा नहीं किया है, उन्हें कोई स्थायी खुशी नहीं होती है। 2. जो लोग प्रभु यीशु से प्यार करते हैं वे परमेश्वर के वचन - बाइबल में जो कहा गया है, वह करते हैं।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. चर्चा करें की प्रभु यीशु को अपने दिल में आमंत्रित करने का क्या मतलब है? **नीतिवचन 3:5-6** पढिएं, यह जानने के लिए कि प्रभु हमें उनके लिए एक फलवन्त जीवन जीने में कैसे मदद करेगा। **2. भजन संहिता 16:11** पढ़े, यह पता लगाने के लिए की व्यक्तिगत रूप से प्रभु यीशु को उधारकर्ता के रूप में जो लोग स्वीकार करते है उसे स्वर्ग में कितना आनंद मिलेगा।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. विचार करें कि हम प्रभु यीशु को हमारे व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में कैसे भरोसा करते हैं। 2. हमारे जीवन के लिए परमेश्वर की इच्छा जानने के लिए बाइबल पढ़ने और प्रार्थना करने के महत्व पर चर्चा करें।

	B2 – लेवल 3 कहानी 2- आश्चर्यकर्म बालक का चंगा होना।	B2 – लेवल 4 कहानी 2- आश्चर्यकर्म बालक का चंगा होना।
	बाइबल अनुभाग: यूहन्ना 4: 43-54 ***मुख्य पद : यूहन्ना 4: 50*** **हम सीख रहे की :** 1. राजा का कर्मचारी का बेटा बहुत बीमार था और मरने वाला था। और यीशु उसका पास नहीं था। लेकिन यीशु ने उसे चंगा किया। 2. हम सभी पाप में जन्म लेते हैं और प्रभु यीशु से बहुत दूर हैं, लेकिन जब हम पश्चाताप करके माफी के लिए उसके पास जाते हैं वह हमें नया जीवन देता है।	***बाइबल अनुभाग: यूहन्ना 4: 43-54*** ***मुख्य पद : प्रीरितों 16: 31; रोमियों 10:9*** **हम सीख रहे की :** 1. राजा का कर्मचारी का बेटा मौत के करीब था। और केवल प्रभु यीशु को उसे फिर से जीवित करने की शक्ति थी। 2. धार्मिक मायने में हमारे पाप एक बीमारी है, जिससे आत्मिक मृत्यु हो जाएगी। और केवल प्रभु यीशु ही हमें अनन्त जीवन दे सकता है।
पहचान कराने	छात्रों को याद दिलाना कि प्रभु यीशु काना की अपनी पहली यात्रा पर पानी को दाखरस में बदल दिया और अब काना में एक और आश्चर्यकर्म लोग देखने जा रहे थे - राजा का कर्मचारी का बेटा को चंगा करना। पाठ पर नक्शा का उपयोग करके यह दिखाने कि यीशु काना में था और वह लड़का कफरनहूम में और व्याख्या करना कि भले ही बालक शारीरिक रूप से वहां मौजूद नहीं था यीशु की शक्ति वहां महसूस किया गया।	छात्रों को याद दिलाएं कि प्रभु यीशु मसीह ने यह आश्चर्यकर्म कैना में किया था। इससे उनकी प्रसिद्धि फैल गई थी, इतना कि लड़के के पिता जो हेरोदेस राजा के कर्मचारी ने सोचा कि प्रभु यीशु को बालक को चंगा करने के लिए शारीरिक रूप से वहां होना था। प्रभु यीशु ने उसका विश्वास के इस अभाव के लिए उससे गुस्सा नहीं किया। लेकिन जो विश्वास उसने दिखाया उसके लिए उसे ज़्यादा अनुग्रह दिया। प्रभु यीशु अधिक प्रसन्न है जब लोग अपने आश्चर्यकर्मकी तुलना में अपने शब्दों में विश्वास करते हैं - पहले विश्वास करें और फिर देखें।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. इस लड़के का पिता एक यहूदी था और राजा हेरोदेस का एक कर्मचारी था। लगता है कि दूसरे यहूदीयो की तुलना में वह प्रभु यीशु पर ज़्यादा विश्वास करता था और उसने परमेश्वर को साथ चलकर उसके गंभीर रूप से बीमार बेटे को चंगा करने को विनती की। 2. लड़के के पिता का मानना था कि बेटे को चंगा करने के लिए प्रभु यीशु को उसके बिस्तर के पास होना चाहिए था। लेकिन परमेश्वर ने उसे बताया कि उसके पुत्र को चंगा किया गया था। कर्मचारी ने प्रभु के वचन पर विश्वास किया और घर की और चला गया। जब उन्होंने नौकर से पूछा कि बालक ठीक किस समय चंगा हुआ तब उसके नौकरों के जवाब से वह समझ गया कि यह उसी समय था जब प्रभु यीशु ने उसे बताया था कि बालक चंगा हो गया है। **मख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 2 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. बीमार बेटे और पिता का अनरोध। बीमारी और मौत, अमीर या गरीब सभी के पास आती है, लेकिन सभी को अपनी आत्मिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए प्रभु यीशु की आवश्यकता है। प्रभु यीशु ने पाप को बीमारी से तुलना की - **मत्ती 9:12,13** देखें। बाइबल यह भी सिखाती है कि जो लोग प्रभु यीशु को जानते हैं उन्हें अनन्त जीवन प्राप्त होता है और जो लोग उसे नहीं जानते उन्हें अनन्त जीवन नहीं मिलता। **(1 यूहन्ना 5:10-14)** 2. परमेश्वर का जवाब। प्रभु यीशु उसका विश्वास का परीक्षण कर रहा था जब उसने कहा 'तेरा पुत्र जीवित है' **(पद 50)** आज की तरह उस समय भी लोग प्रत्यक्ष मूल्य पर परमेश्वर का वचन स्वीकार करने के बजाय चिन्ह और चमत्कार देखने चाहते थे। **(पद 48)** देखने से पहले विश्वास ! 3. परिणाम। परमेश्वर का शब्द जीवित है और इसके द्वारा हम प्रभु यीशु को व्यक्तिगत रूप से जान सकते है और विश्वास में स्थिर हो सकते है। क्योंकि परमेश्वर के वचन के पीछे परमेश्वर की सारी शक्ति है। राजा का कर्मचारी ने विश्वास किया कि उसका बेटा चंगा हो गया और इस कारण उसके पूरे परिवार ने भी प्रभु पर विश्वास किया। **मख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 2 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	मुख्य पद **यूहन्ना 4:50** सीखें और चर्चा करें कि यह कैसे इस पाठ का सारांश देता है कि प्रभु यीशु मसीह की शक्ति ने न केवल कर्मचारी के बेटे को चंगा किया था लेकिन अब कर्मचारी के पूरे परिवार ने यीशु पर विश्वास किया।	**इब्रनियों 11:6** - 'विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है।' इस पद पर विचार करें। और चर्चा करें कि कैसे यह अभी सीखे गए अध्याय से सबन्धित है।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. हम सभी को अनन्त जीवन के लिए प्रभु यीशु पर भरोसा करके उनका आज्ञा पालन करना चाहिए। 2. एक युवा मसीही के रूप में, हमें इस बात की सराहना करनी चाहिए कि प्रभु यीशु को एक आश्चर्यकर्म या प्रार्थना का उत्तर देने के लिए शारीरिक रूप से उस जगह मौजूद होने की ज़रूरत नहीं है। अपने उद्देश्यों को वे किसी भी समय कहीं भी कर सकता है। यह हमें हमारी प्रार्थना जीवन में प्रोत्साहित करना चाहिए।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. राजा के कर्मचारी ने प्रभु पर विश्वास करके घर वापस चला गया। वह अपना विश्वास प्रवर्ति में दाल रहा था। घर या स्कूल में हमारे विश्वास को हम प्रदर्शित करने की तरीकों के बारें में सोचिए। 2. प्रभु यीशु में हमारा विश्वास आज की संस्कृति में रखना हमें कैसे चुनौती देता है? उन लोगों को के बारें में चर्चा करें जो पहले देखना चाहते हैं और फिर विश्वास करते हैं। और उन लोगों के बारें में भी जो पहले विश्वास रखते हैं, और फिर अपने जीवन के लिए परमेश्वर की इच्छा को देखते है।

	B2 – लेवल 3 कहानी 3- आश्चर्यकर्म अंधे को दृष्टिदान।	B2 – लेवल 4 कहानी 3- आश्चर्यकर्म अंधा बरतिमाई।
	बाइबल अनुभाग: मरकुस 10: 46-52 ***मुख्य पद : मरकुस 10: 52*** **हम सीख रहे की :** 1. बरतिमाई को एक अत्यावश्यक जरूरत थी, वह अपनी आवश्यकता जानता था और वह निर्धारित किया था कि प्रभु यीशु उस आवश्यकता को पूरा करेगा। 2. प्रभु यीशु ने बार्थिमयी की प्रार्थना का उत्तर दिया। और बरतिमाई ने यरूशलेम की आखिरी यात्रा में प्रभु यीशु के साथ जाकर उसका आभार प्रदर्शित किया।	***बाइबल अनुभाग: मरकुस 10: 46-52*** ***मुख्य पद : मरकुस 10: 52*** **हम सीख रहे की :** 1. जैसे बरतिमाई को बुलाया गया था **(पद 49)** प्रभु यीशु सुसमाचार के प्रचार के माध्यम से उन लोगों को बुला रहे हैं जो आत्मिक रूप से अंधा हैं। 2. जब हम प्रभु यीशु पर उद्धार के लिए भरोसा करते हैं तो हमें हमारी पापी ज़िंदगी पीछे छोड़कर उनका अनुगमन करना चाहिए।
पहचान कराने	बच्चों से पूछें कि वे किसी अंधे को जानते हैं। और ऐसी व्यक्तियों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों के बारे में बात करें। चर्चा करें की अंधा लोगों का मदद की जा सकती है लेकिन शारीरिक अंधापन ठीक नहीं किया जा सकता।	बच्चों को समझाए कि प्रभु यीशु के समय में अंधे लोगों को बहुत कम मदद मिलते थे और उन्हें जीवित रहने के लिए भीख मांगने पड़ते थे। इन दिनों में अंधों कि ज़िंदगी इतनी बुरी नहीं हैं।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. अंधा बर्थिमयी, एक यहूदी, का मानना था कि यीशु मसीह दाऊद की सन्तान था। आम तौर पर यहूदियों इस सत्य का विश्वास नहीं करते थे। 2. बरतिमाई उनकी दृष्टि लौटाने में मदद के लिए पुकारता रहा। और स्वर्ग और पृथ्वी के निर्माता और ब्रह्मांड के संभालनेवाला यीशु, भिखारी की रोना सुनकर ठहरा **(पद 49)** और उसे अपनी दृष्टि वापस कर दिया। 3. बरतिमाई ने क्रूस पर चढ़ने से पहले यरूशलेम की आखिरी यात्रा पर यीशु का अनुगमन करके अपना कृतज्ञता दिखाया। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 3 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. बरतिमाई अंधा और गरीब भी था, हमें यह याद दिलाते हुए कि हम आत्मिक रूप से अंधे हैं। और उस वजह से हम नहीं जानते कि हम कहां जा रहे हैं। 2. यह बरतिमाई के लिए प्रभु यीशु से मिलने का आखिरी मौका हो सकता है और इसलिए उसने मन लगाकर प्रभु से पुकारते रहा: 'मुझ पर दया कर' **(पद 47)**। उद्धार एक व्यक्तिगत कार्य है जैसा 'मुझे' शब्द के प्रयोग से स्पष्ट किया गया है। 3. बरतिमाई ने उन सब कुछ छोड़ दिया जो प्रभु यीशु के पास आने से उनपर बाधा डाल रहा था। और उसकी दृष्टि मिलने के लिए उनका पुकार का तुरंत जवाब मिला और वह प्रभु यीशु कि अनुगमन करने लगा। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 3 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	**पद 51** में बरतिमाई की संक्षिप्त प्रार्थना पर और **पद 52** में यीशु की त्वरित जवाब की ओर बच्चों का ध्यान आकर्षित करें। जैसे यीशु बरतिमाई से पुछा कि वह उनसे क्या चाहता है, हम सीख सकते हैं की प्रभु यीशु पर भरोसा करके उनका अनुगमन करना अत्यावश्यक है क्योंकि ऐसा करने का अवसर हमेशा हमारे लिए उपलब्ध नहीं होगा। अगर बरतिमाई ने इस अवसर को जाने दिया होता तो वह प्रभु यीशु को दुबारा कभी नहीं मिलते।	**मत्ती 4:18 - 22** पढ़ो और उन दोसरें लोगों के बारे में पता लगाएं जो तुरंत सब छोड़कर प्रभु यीशु का अनुगमन किया। **इफिसियों 6:10-18** और **कुलस्सियों 3:8 -17** पढ़े यह पता लगाने के लिए कि प्रभु यीशु अपने अनुयायियों से कैसे गुणों की आशा करते है। इन बाइबल वाक्यों से छह मुख्य चीजों की एक सूची बनाओ, जो मसीही जीवन के विशेषताएं या गुण है।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. यह देखकर प्रभु यीशु खुश हुए होंगे यह जानकार कि एक अंधा यहूदी को सच्चे आध्यात्मिक दृष्टि है और वह उनका अनुगमन करने के लिए तैयार था। सभी को प्रभु यीशु पर भरोसा करके उनका अनुगमन करना चाहिए ताकि उनको खुशी मिले। 2. हमारी प्रार्थनाएं लंबे होने की जरूरत नहीं है। हम प्रभु यीशु को बता सकते हैं कि हम उससे प्यार करते हैं और उससे पूछें कि वह क्या चाहता है कि हम उसके लिए क्या करें। 3. बच्चों से अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताओं के बारे में कुछ छोटी, प्रासंगिक प्रार्थना करने के लिए कहे।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. प्रभु यीशु कि बुलावे को सुनना और समय रहते ही मोक्ष के लिए उन से प्रार्थना करने के महत्व। 2. जब हम प्रभु यीशु के अनुयायी हैं उसकी शक्ति हमारे जीवन में काम करती है। और हमारे जीवन को उनका इच्छा पूरी करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। हम अपने पुराने पापी जीवन के साथ समाप्त कर दिया है और प्रभु यीशु के साथ हम एक नया जीवन शुरू किया है। **3. यूहन्ना 8:12** को पढ़िए और विचार करें कि अतीत की डर छोड़ने और ज्योति में चलने का क्या अर्थ है।

	B2 – लेवल 3 कहानी 4- आश्चर्यकर्म दस कोढ़ियों को चंगा करना।	B2 – लेवल 4 कहानी 4- आश्चर्यकर्म दस कुष्ठरोगी।
	बाइबल अनुभाग: लूका 17: 11-19 ***मुख्य पद : भजन संहिता 107:8*** **हम सीख रहे की :** 1. प्रभु यीशु ही एकमात्र व्यक्ति है जो हमें पाप से शुद्ध कर सकता है। 2. जिन लोगों को शुद्ध किया जाता है, वे प्यार और भक्ति के साथ प्रभु यीशु की सेवा करके अपना आभार दिखा सकते हैं।	***बाइबल अनुभाग: लूका 17:11-19*** ***मुख्य पद : इफिसियों 2:8,9*** **हम सीख रहे की :** 1. हम सभी पापी पैदा हुए थे। और पाप की बीमारी केवल प्रभु यीशु ही चंगा कर सकता है। 2. जब हम प्रभु यीशु पर विश्वास करके पाप की बीमारी से मोक्ष पाते हैं, तो हमें उद्धार और हर दिन प्राप्त किए उन सभी अच्छी चीज़े के लिए प्रभु को लगातार धन्यवाद करना चाहिए।
पहचान कराने	समझाएं कि कुष्ठ रोग एक ऐसी बीमारी है जो अभी भी दुनिया में बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करता है। **लैव्यव्यवस्था 13:45,46** का ज़िक्र करें और समझाएं कि मूसा के समय कुष्ठ रोगियों को अशुद्ध माना जाता था और अकेले ही रहना पड़ता था	समझें कि कोढ़ एक बहुत संक्रामक रोग है जो आज भी दुनिया में मौजूद है, अनुमान लगाया गया है कि 2 करोड़ लोगों को यह बीमारी है। उन मिशन या लोगों के बारें में चर्चा करों जो कुष्टरोगियों का मदद करते है। कुष्ठ रोग से पीड़ित अन्य बाइबिल किरदार के बारें में चर्चा करों। **लैव्यव्यवस्था 13:45,46**
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. कोढ़ी से पीड़ित को दूसरे लोगों के साथ मिलने की अनुमति नहीं थी, इसलिए वे प्रभु यीशु से दया के लिए दूर से ही पुकारा। 2. प्रभु यीशु की आज्ञा पालन करके कुष्ठ रोगियों ने याजकों के घर गए और जब वे पहुंचे तो अपने कुष्ठ रोग से चंगा हो गए थे। 3. याजकों ने उन्हें अपने परिवारों में लौटने की अनुमति दी। 4. केवल एक कोढ़ी जो एक सामरी था प्रभु यीशु को धन्यवाद देने के लिए वापस आया। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 4 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. कोढ़ी खुद का इलाज करने में असमर्थ थे, लेकिन वे दया क लिए सही व्यक्ति प्रभु यीशु के पास आया था **(पद 13)** 2. जब प्रभु ने कहा, 'जा' **(पद 14)** कुष्ठ रोगियों ने आदेश का पालन किया और जब वे याजक के घर जाते ही वे चंगा हो गए। आज्ञाकारिता और प्रभु के वचन में सिर्फ विश्वास करने से वे शुद्ध हो गए। 3. केवल एक सामरी कोढ़ी ने लौटकर शुद्ध करने के लिए प्रभु यीशु को धन्यवाद दिया। **(पद 16)** **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 4 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	1. यह बता कर सबक की समीक्षा करें कि कैसे प्रभु यीशु दूर खड़े कुष्ठ रोगी एक पापी का चित्र है। याद दिलाएं कि हर पापी केवल तब शुद्ध किया जा सकता है जब वे अपने पाप को क्षमा करने और सुसमाचार का पालन करने के लिए प्रभु यीशु से प्रार्थना करते है। सुसमाचार में मसीह की मृत्यु और उसके जी उठने के बारे में बताया गया है। 2. यह पाठ सिखाता है कि एक बार जब हम पाप से शुद्ध हो जाते हैं तो हमें अपने उद्धार के लिए प्रभु यीशु का लगातार धन्यवाद करना चाहिए। कृतज्ञता उन लोगों कि एक निशान है जो प्रभु यीशु से प्यार करते हैं।	इस सबक के आधार पर कहानी को संशोधित करने के लिए बच्चों से प्रश्न पूछें ताकि उन्हें बाइबल टाइम अध्ययन के जवाब देने की मदद मिले।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** **1. 1 यूहन्ना 1:7** और इसकी प्रासंगिकता पर विचार करें। 2. मसीही प्रभु यीशु का आभारी होना चाहिए क्योंकि उसने अपना प्राण उनके लिए दिया था। 3. उन चीजों की एक सूची बनाएं जिनके लिए हमें आभारी होना चाहिए और उसके लिए उचित प्रार्थना लिखे।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. विचार करें कि क्या छात्र उन नौ के तरह थे या वह एक के तरह जो वापस आए थे। 2. चर्चा करें की वास्तव में धन्यवाद का मतलब क्या है और यह कैसे यह हमारे जीवन को प्रभावित करना चाहिए - **भजन संहिता 40:3** 3. चीजों की एक सूची बनाएं जिनके लिए हमें आभारी होना चाहिए और उचित प्रार्थनाएं लिखे।

	B3 – लेवल 3 कहानी 1- बैतनिय्याह दो बहनें।	B3 – लेवल 4 कहानी 1- बैतनिय्याह घर पर।
	बाइबल अनुभाग: लूका 10:38 - 42 *मुख्य पद : लूका 10:42* **हम सीख रहे की :** 1. प्रभु यीशु उनके लिए हमारी स्नेह को हमारी सेवा से अधिक महत्व देते हैं। 2. घर, स्कूल कि हमारा व्यस्त जीवन कभी भी परमेश्वर के वचन पढ़ने और प्रार्थना करने में बाधा नहीं डालना चाहिए।	*बाइबल अनुभाग: लूका 10:38-42* *मुख्य पद : मरकुस 6:31* **हम सीख रहे की :** 1. मसीही जीवन में परिपक्व होने के लिए हमें हमारे व्यस्त जीवन से समय निकाल कर परमेश्वर के वचन पढ़ने की आवश्यकता है ताकि हम यह सुन सके की परमेश्वर क्या कह रहे है। 2. हमारे व्यस्त जीवन से हमें प्रार्थना करने के लिए समय निकालना भी आवश्यक है ताकि हम परमेश्वर से बात कर सके, हमारे जीवन कि सभी अनुग्रह के लिए उनको धन्यवाद दे और हमारे जीवन में मार्गदर्शन के लिए परमेश्वर से पूछ सके।
पहचान कराने	छात्रों को यह सोचने के लिए कहें कि जब एक मशहूर व्यक्ति हमारे घर आता है तो कितना विशेष होता है। मरियम और मार्था का घर उन घरों में से केवल एक था जहाँ यीशु गया। हम सभी को कुछ अन्य घरों के बारें में सोचकर प्रोत्साहित होना चाहिए जहाँ भी यीशु गए थे: **लूका 4:38, 7:37, 8:51, 19:5** हमारे घरों ऐसे एक जगह होना चाहिए जहां परमेश्वर का सम्मान और पालन किया जाता है।	समझाओ कि मरियम और मार्था दोनों यीशु से प्यार करते थे। इस अवसर पर वे दोनों उसकी सेवा करने में शामिल थे, मार्था ने यह नहीं सोचा कि इतने व्यस्त होने से वह वास्तव में अपने अतिथि - प्रभु यीशु की उपेक्षा कर रही थी। मार्था के लिए प्रभु को सुनने और उससे सीखने के लिए समय नहीं था। छात्रों को पूछें कि उनके जीवन में प्राथमिकताएं क्या हैं। सुनिश्चित करें कि वे 'व्यस्त होने' का मतलब को समझते हैं। प्रार्थना और बाइबिल अध्ययन के लिए कोई दूसरा विकल्प नहीं है।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. जबकि मार्था श्रमजीवी था और मरियम भक्त थे, काम और भक्ति साथ साथ जाना चाहिए। भक्ति के अर्थ पर चर्चा करें। 2. भले ही मार्था प्रभु यीशु का सम्मान करने की कामना करती थी, प्रभु चाहता था की वह उनके साथ संगति रखने में अधिक दिलचस्पी रके, इस लिए उन्होंने कहा की मरियम ने उत्तम भाग चुना है। **(पद 42)** हमारे आध्यात्मिक जीवन के लिए भोजन शरीर की भोजन से ज़्यादा अधिक आवश्यक है। प्रभु यीशु चाहता था की मरियम और मार्था यह समझे की उनका वचन सुनना कितना महत्वपूर्ण है। **(1 पतरस 2:2)** **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 1 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. हमारे जीवन में आशीर्वाद देने की दो महान बुनियादी सिद्धांतों के रूप में प्रार्थना और बाइबल अध्ययन पर प्रभु ने ध्यान केंद्रित किया। 2. घर के काम के बारे में चिंतित होने के लिए यीशु ने मार्था को दोष नहीं दिया परन्तु अपनी प्राथमिकताएं ठीक करने के लिए नरमी से उसे समझाया। 3. प्रभु यीशु ने **पद 42** की और इशारा करके व्याख्या किया कि उस पर एकाग्रत होना बहुत आवश्यक है। वह हमारी सेवा के ऊपर उसके लिए हमारे प्यार को ज़्यादा मान देता है। प्रभु चाहता है कि हम मार्था से मरियम की तरह होने की ओर बढ़ें। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 1 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	1. यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि मरियम यीशु के चरणों पर बैठती थी। **(पद 39)** चर्चा करें की कैसे यह विनम्र कार्य करके वह प्रभु यीशु को सम्मान दे रही थी जिसका वे योग्य था। 2. उन तरीकों के बारे में पूछें जिनसे हमारे जीवन में हम प्रभु यीशु का सम्मान कर सकते है। 3. निम्नलिखित संदर्भों में सभी लोग यीशु के चरणों पर पाए गए थे। उदाहरण के लिए : **मत्ती 28:9, मरकुस 5:22, लूका 7:38, 8:35** इन पदों को देखिए और पता करें कि ये सभी लोग कौन थे और उन सभी के महत्व पर चर्चा करें जो यीशु के चरणों में पाए जाते हैं।	इस अध्ययन समीक्षा करना के लिए मुख्य पद का उपयोग करके दिखाएं की: 1. प्रभु यीशु की सुनने के लिए एक उचित समय है। **(मरकुस 6:31)** 2. प्रभु यीशु के लिए काम करने का एक उचित समय है। **(मरकुस 6. 7-13) (रोमियों 12:1)** 3. प्रभु ने उन लोगों को आशीर्वाद देने का वादा किया है जिनकी जीवन में सेवा एक निरंतर प्रार्थना के साथ होता है। **(यशायाह 40:31)**
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. हमारी दैनिक जीवन में भक्ति और काम को संतुलित करने के लिए। 2. उसे सम्मान और ख़ुशी लाने के लिए किस तरह हम जीवन जीना। 3. ज्यादा सेवा करने की तुलना में अच्छी तरह से सेवा करने के बारे में अधिक चिंतित होना। 4. यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारे काम के कारण बाइबल पढ़ना और प्रार्थना करने के लिए समय न मिले।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. यह सुनिश्चित करने के लिए कि हम हमारे दैनिक जीवन में प्रार्थना और बाइबल अध्ययन को प्राथमिक बनाएं। 2. यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रभु यीशु के लिए हमारी सेवा भक्ति रहित और केवल रिवाज़ न बन जाए।

	B3 – लेवल 3 कहानी 2- बैतनिय्याह गम ख़ुशी में बदल गया।	B3 – लेवल 4 कहानी 2- बैतनिय्याह कब्र पर।
	बाइबल अनुभाग: यूहन्ना 11:1 -7, 17-44 ***मुख्य पद : यूहन्ना 11:25*** **हम सीख रहे की :** 1. प्रभु यीशु ही एकमात्र है जो मृतकों को जीवित कर सकता है। 2. प्रभु यीशु ही है जो पापियों को अनन्त जीवन दे सकता है, जिनके बारें में प्रेरित पौलुस ने कहाः 'पापों के कारण मरें हुए थे' **(इफ़िसियों 2:1)**	***बाइबल अनुभाग: यूहन्ना 11: 1-44*** ***मुख्य पद : यूहन्ना 11: 25, 26*** **हम सीख रहे की :** 1. मृतक में से लाजर को उठाना मृत्यु पर यीशु की शक्ति का एक अनिवार्य प्रदर्शन था और पुनरुत्थान मसीही धर्म का एक महत्वपूर्ण विश्वास है। यीशु को ख़ुद और दूसरों को भी मृतकों में से जी उठाने की शक्ति थी। **(यूहन्ना 10:18)** 2. यीशु खुले आम रो कर (पद 35)यह दिखा रहा था कि वह हमारी परवाह करते है और हमारी परीक्षा और दुखों में हमारे साथ रोने के लिए भी तैयार है।
पहचान कराने	1. बच्चों से यीशु की कुछ आश्चर्यकर्म याद करने के लिए कहें और चर्चा करें कि किस आश्चर्यकर्म सबसे उत्तम माना जा सकता है। यह प्रभु यीशु के सार्वजनिक जीवन की अंतिम आश्चर्यकर्म था। 2. कुछ यहूदियों ने प्रश्न किया कि परमेश्वर ने लाजर को मरने क्यों दिया? क्योंकि अंधा आदमी को चंगा करने में सक्षम यीशु लाजर को मरने से पहले चंगा कर सकता था। **(पद 37)** लेकिन मृतकों से लाजर को उठाकर वह **पद 25** अपने शब्द 'पुनरुत्थान में ही हूँ', की सच्चाई और शक्ति को दिखा रहा था।	इस अध्ययन का परिचय यह कहकर करें की यूहन्ना कि सुसमाचार में लिखे गए सात आश्चर्यकर्म में अंतिम था लाजर को मृतकों से जी उठाना, और इसके कारण वहाँ मौजूद यहूदियों में से कई को यकीन हो गया कि वह परमेश्वर का पुत्र था और उन्होंने उस पर विश्वास किया। हालांकि, वहां मौजूद कुछ यहूदी यह आश्चर्यकर्म देखकर भी विश्वास नहीं किया और जो कुछ भी बैतनिय्याह में हुआ उसका समाचार फ़ारिसियों के पास जाकर दिया। वे शायद प्रभु यीशु को मौत देने की कोशिश कर रहे थे। बच्चों को समझाएं कि आज भी ऐसा ही है - कई लोग हैं जो स्वीकार करते हैं कि प्रभु यीशु परमेश्वर है और आश्चर्यकर्म कर सकते है और कुछ लोग इस से इनकार करते हैं।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. बैतनिय्याह में मरियम, मार्था और लाजर के घर उन में से एक था जहाँ यीशु जाना पसंद करता था। छात्रों से पूछा जा सकता है कि क्या प्रभु यीशु अपने घरों / दिल / जीवन में है। **(प्रकाशितवाक्य 3:20)** 2. जैसे प्रभु यीशु ने लाजर को मृत्यु से जीवित किया उसी तरह वे आध्यात्मिक रूप से मर चुके लोगों को एक नया आध्यात्मिक जीवन दे सकते हैं जो अनन्तकाल के लिए है। 3. इस कहानी से पता चलता है कि प्रभु यीशु एक सहानुभूति वाला उद्धारकर्ता है, 'यीशु रोया' **(पद 35)** और उस दिन आसपास के यहूदी देख सकते थे की यीशु लाजर को कितना चाहता था। **(पद 36)** वह उन लोगों को भी प्यार करते थे, लेकिन उनमें से अनेक यह समझ नहीं पाए। 4. जब यीशु ने कब्र के सामने से पुकारा लाजर को एक नया जीवन मिला और कफन के कपड़े खुल गया **(पद 44)** और अपने जीवन में प्रभु यीशु की शक्ति का एक जीवित साक्षी था। **मख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 2 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. जब लाजर बीमार था मरियम और मार्था ने यीशु से मदद माँगा क्योंकि वह जानते थे की वे आश्चर्यकर्म कर सकते है। 2. यीशु ने इस परिवार को प्यार किया लेकिन तुरंत उनके अनुरोध का जवाब नहीं दिया। लाजर मर गया ताकि मृत्यु होने के बाद यीशु की शक्ति उसके शिष्यों और वहाँ मौजूद अन्य यहूदी को दिखायी जा सके। 3. यीशु रोया क्योंकि वह लाजर न होने का दुःख को महसूस किया। 4. यीशु ने एक मरे हुए आदमी से बात की और उसने सुना और जवाब दिया। **मख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 2 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	1. जैसे ही लाजर को नया जीवन दिया गया था **(पद 44-45)** उसी तरह जो लोग प्रभु यीशु में भरोसा करते हैं उन्हें नया जीवन दिया जाता है। **कलस्सियों 2:13 और 2 तीमथियस 1: 10** को देखे, यह जानने के लिए कि प्रभु यीशु मृत पापियों को नया जीवन कैसे दे सकता है। 2. जैसे कि लाजर का नया जीवन प्रभु यीशु की शक्ति का साक्ष्य था। इस प्रकार प्रभु यीशु उस पर विश्वास करते सभी लोगों को उसके लिए जीने की शक्ति देता है। **(इफ़िसियों 2:10)**	इस अध्ययन की समीक्षा हमारे जीवन में परीक्षण के साथ करें और बताइए कि प्रभु यीशु एक बुरी स्थिति से भलाई कैसे ला सकता है। **रोमियों 8:28** को देखें। प्रभु की देरी से हमें लगता है कि उसे परवाह नहीं है और जवाब नहीं दे रहा है लेकिन हमें सहनशीलता सीखना चाहिए।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. व्यक्तिगत पश्चाताप के बारे में और परमेश्वर की और फिर कर 'नए जीवन की सी चाल चले' **(रोमियों 6:4)** 2. स्कूल में एक अच्छा छात्र होकर, माता-पिता के लिए आज्ञाकारी होकर, शायद बपतिस्मा लेकर और दूसरों के साथ ससमाचार का साझा करके परमेश्वर के वचन के प्रति आज्ञाकारी होने के बारे में।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. विश्वासियों के पास एक आध्यात्मिक जीवन है जिसे मौत जीत या कम नहीं कर सकती। यह आश्वासन से प्रभु के लिए एक समर्पित जीवन जीने की इच्छा हम में होना चाहिए। **(फिलिप्पियों 1:21-23)** 2. इस आश्चर्यकर्म में परमेश्वर ने दिखाया कि वह हमारे दुखों में हमारे साथ रोने तक परवाह करता है।

	B3 – लेवल 3 कहानी 3- बैतनिय्याह एक और मुलाकात।	B3 – लेवल 4 कहानी 3- बैतनिय्याह मेज पर।
	बाइबल अनुभाग: यूहन्ना 12:1-11 *मुख्य पद : 1 यूहन्ना 4:19* **हम सीख रहे की :** 1. जब हम वास्तव में प्रभु यीशु से प्यार करते हैं उन्हें धन्यवाद व्यक्त करने को तरीके हम ढूँढ़ते है। 2. प्रभु यीशु के लिए जो हम कर सकते है उसे करने में कभी विलंब नहीं करना चाहिए क्योंकि हम नहीं जानते कि उसकी सेवा करने के लिए हमें कितना वक्त मिलेंगे।	*बाइबल अनुभाग: यूहन्ना 11:55-57; 12:1-11* *मुख्य पद : भजन संहिता 95:6* **हम सीख रहे की :** 1. प्रभु यीशु को देने के लिए कुछ भी ज़्यादा मूल्यवान नहीं है वह हमारे सबसे अच्छे के लिए योग्य है। 2. अगर हम प्रभु यीशु से प्यार करते हैं तो हम नए नियम में निर्धारित किए निर्देशों के पालन करके चलेंगे।
पहचान कराने	बताएं कि बैतनिय्याह प्रभु यीशु के लिए कितने विशेष यादों का एक जगह था। बच्चों को याद दिलाएं कि मरियम और मार्था के घर में प्रभु यीशु ने आराधना की महत्व सिखाया। अध्याय 2 में जब यीशु ने लाजर को मृतकों से जी उठाया तो उसने दिखाया कि वह ही पुनरुत्थान है। इस पाठ में प्रभु यीशु बैतनिय्याह की इस घर में एक भोजन पर मौजूद है।	**यूहन्ना 12:1-11** और **मरकुस 14:3-9** की इन दो घटनाओं को आम तौर पर समान माना जाता है। प्रभ यीशु ने मरियम कि उनके पैरों को बहुत महंगा इत्र के साथ अभिषेक करने की निःस्वार्थ श्रद्धा की प्रशंसा किया। इत्र और मसालों मृतकों को दफ़नाने में एक बड़ी भूमिका निभाती थी - **उत्पत्ति 50:2,3** यीशु **पद 7** में मरियम कि भक्ति की प्रतिक्रिया देता हैं कि यह उनकी दफनाने के तैयारी की संकेत थी।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. प्रभ यीशु की संगत में होने, उसके साथ भोजन करना और दोस्ती का आनंद लेने की यह विशेषाधिकार मरियम, मार्था और लाजर के लिए दिया गया था। **(पद 2)** 2. प्रभु यीशु के पैर महंगा तेल से अभिषेक करने और उसके बालों से उन्हें धोना **(पद 3)** के लिए मरियम को दिया गया विशेषाधिकार दिखा रहा है कि प्रभ को देने के लिए कुछ भी ज़्यादा मूल्यवान नहीं है और वे हमारे सबसे अच्छे के योग्य है। 3. जब यहूदा ने शिकायत की कि इत्र बेचकर कंगालों को को दिया जाना चाहिए। **(पद 5)** प्रभु यीशु ने उसे याद दिलाया कि गरीब हमेशा दुनिया में होंगे जिनके लिए दयालता दिखाने की और मौके मिलेंगे लेकिन प्रभु यीशु पर इस इत्र का इस्तेमाल करने का अवसर बहुत सीमित होगा क्योंकि वे पापियों के लिए अपने प्राण देने को क्रूस पर चढ़ने जा रहा था। 4. मख्य हाकिम ने लाजर को मौत की सजा देना चाहता था **(पद 10)** इसका कारण यह हो सकता है की वे खुद पनरुत्थान से इनकार करते थे और लाजर का मृत्यु के बाद जी उठना इस बात का सबूत था कि प्रभु यीशु पुनरुत्थान था। **मख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 3 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. घर - तथ्यों की समीक्षा करें कि बैतनिय्याह की घर **(पद 1)** ऐसा एक स्थान था जहाँ (i) सेवा और निर्देश (ii)आराधना और सहभागिता (iii) मृत्यु और पुनरुत्थान था। 2. त्योहार प्रभु के लिए था **(पद 2)** क्योंकि वह प्रमुख अतिथि था मरियम, मार्था और लाजर को यीशु से मिलने का हर वजह था। 3. अभिषेक **(पद 3)** से पता चलता है कि मरियम प्रभु यीशु से प्यार करती थी। क्योंकि प्यार को बलिदान से नापा जाता है। 4. सराहना **(पद 7,9)** सबसे उत्तम था और यीशु ने संकेत किया की यह आराधना का प्रदर्शन की चर्चा इतिहास में हमेशा होगा - **मत्ती 26:13** को पढ़े **मख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 3 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	1. यह कहानी **मरकुस 14:3-9** में भी बताया गया है। यह जानने के लिए **पद 8** पढ़ें कि प्रभु ने अपने पैरों को अभिषेक किए स्त्री के बारे में क्या कहा। 2. इस कहानी के बारें में मत्ती की विवरण को पढ़िए। **मत्ती 26:6-13** में देखिए कि प्रभु यीशु ने न केवल उसकी मृत्यु के बाद सुसमाचार का प्रचार की भविष्यवाणी की थी उन्होंने यह भी कहा की भविष्य में इस स्त्री की भक्ति का कार्य उसकी याद में कहा जायेगा।	इस अध्ययन की समीक्षा करते समय बच्चों से प्रश्न पूछें जिससे उन्हें अध्ययन 3 में पूछे गए सवालों के जवाब देने में उन्हें मदद मिलेंगे।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. प्रभु यीशु के लिए आपका प्यार दूसरों को कैसे प्रभावित कर सकता है? 2. बहुत से यहूदी प्रभु यीशु में विश्वास किया **(पद 11)** क्योंकि लाजर के नए जीवन में वे प्रभु की शक्ति का सबूत देख सकते थे। अगर आप प्रभु को प्यार करते है तो अपने जीवन से आप दूसरों को प्रभु यीशु पर विश्वास करने के लिए कैसे प्रभावित कर सकते हैं?	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. घर - क्या प्रभु यीशु ऊपर उल्लिखित किसी भी तरह से हमारे घरों में हैं? 2. दावत - क्या एक विश्वासी के लिए प्रभु अपने जीवन में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति है? 3. अभिषेक - हम प्रभ यीश से कितना प्यार करते हैं? क्या हम उसे सर्वश्रेष्ठ दे सकते हैं? 4. प्रशंसा - प्रभु ने कहा कि मरियम ने वो किया जो वह कर सकती थी सकती थी। **(मरकुस 14:8)**

	B3 – लेवल 3 कहानी 4- बैतनिय्याह यरूशलेम की ओर।	B3 – लेवल 4 कहानी 4- बैतनिय्याह यरूशलेम के मार्ग पर।
	बाइबल अनुभागः लूका 19:28-44 ***मुख्य पद : यूहन्ना 1:12*** **हम सीख रहे की :** 1. जैसा ही यीशु यरूशलेम में प्रवेश किया उनके चेलों ने उनके बीच यीशु ने किए सब सामर्थ्य कामों को स्मरण करके बड़े शब्द से परमेश्वर की स्तुति करने लगी। 2. यरूशलेम के शहर पर यीशु रोता है क्योंकि वहां के लोगों ने उसे अस्वीकार कर दिया था और उसके लिए वहाँ कोई जगह नहीं था।	***बाइबल अनुभागः लूका 19:28-41*** ***मुख्य पद : यूहन्ना 1:12*** **हम सीख रहे की :** 1. अगर हम प्रभु यीशु के हैं तो वे अपने सम्मान और महिमा के लिए हमारे विश्वास,प्यार, अराधाना,सेवा और संपत्ति का उपयोग करने में प्रसन्न है। 2. हमारे दिल में प्रभु यीशु का स्वागत अत्यावश्यक है क्योंकि जल्द ही इस अवसर को प्राप्त करने में बहुत देर हो जाएगी।
पहचान कराने	यह विचार पेश करें कि ईस्टर से पूर्व का रविवार ऐसे ही नहीं हुआ था क्योंकि इसका भविष्यवाणी सालों पहले की गई थी। **जकर्याह 9:9** को देखें, प्रभु यीशु की विजयपूर्ण प्रवेश की भविष्यवाणी वास्तव में लगभग 500 साल पहले की गई थी।	इस अध्ययन को प्रस्तुत करने के लिए बताएं कि प्रभु यीशु यरूशलेम को देखकर उस पर रोया **(पद 41,42)** क्योंकि उन्होंने उन्हें अपने मसीहा के रूप में प्राप्त करने का अवसर खो दिया थाजो उनके जीवन में शांति ला सकता था। अब बहुत देर हो चुकी थी और प्रभ यीशु यहूदी राष्ट्र को भविष्य में होने वाली विनाशकारी परिणामों की चेतावनी देते हैं। जैसा कि प्रभ यीशु ने 30 में भविष्यवाणी किया था **(लूका 19: 43-44)** की रोमी सूबेदार, तीतुस, और मंदिर का नाश करके वहाँ के निवासियों की हत्या कर दिया। (AD 70) प्रभु यीशु मोक्ष की पेशकश के साथ यरूशलेम का दौरा किया, लेकिन उनके लिए कोई जगह नहीं थी और इसलिए उन सब के ऊपर महाविपदा आने वाला था।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएंः** 1. अपने क्रूस पर चढ़ने के सप्ताह की शुरुआत में प्रभु यीशु की विजयी प्रवेश। **(पद 28-40)** 2. चेलों ने ऊँचे शब्द में स्तुति किया **(पद 37)** ध्यान दें की उन्होंने 'स्वर्ग में शांति' कहा 'पृथ्वी पर शांति' नहीं कहा क्योंकि प्रभु यीशु की मृत्यु और उसका स्वर्गारोहण 'स्वर्ग में शांति' लाएगा। पृथ्वी में शांति इसलिए नहीं होगा क्योंकि वे शांति के राजकुमार - प्रभु यीशु को मारने वाले थे। 3. यीशु ने जेरूसलेम पर रोया क्योंकि उसके लोगों ने उसे अस्वीकार कर दिया था और अब बहुत देर हो चुकी थी - वे अपने अवसर खो दिए थे। **(पद 42)** 4. यीशु संकेत करता है की ऋ 70 में तीतुस, एक रोमी सूबेदार के अधीन में यरूशलेम और उसके लोग तबाह हो जाएगा क्योंकि वे 'कृपा की अवसर' को नहीं पहिचाना। जिसका अर्थ है कि परमेश्वर ने उन्हें उद्धार प्रदान की थी, लेकिन वे इसे इन्कार कर दिया था। **मख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 4 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. यरूशलेम में प्रवेश - जैसे **जकर्याह 9:9** में भविष्यवाणी किया गया था प्रभ यीशु ने एक उधार लिया हुआ गधे के बछेड़ा पर यरूशलेम में प्रवेश किया। जो लोग यीशु की यरूशलेम में विजय प्रवेश देख चुके थे वे 500 वर्षों से पहले किए गए उस भविष्यवाणी की सही ढंग से पूर्ति के रूप में यीशु को देखा। 2. यरूशलेम में प्रवेश के समय - यीशु ने एक समय चुना जब फसह पर्व के लिए सभी इस्राएली यरूशलेम में इकट्ठे होंगे। 3. लोगों की उम्मीदें - लोग उन्हें एक राजा देने के लिए परमेश्वर की स्तुति किया और उन्हें उम्मीद कर रहे थे की प्रभु यीशु एक राष्ट्रीय नेता बनेंगें। जब उन्हें एहसास हुआ कि वह एक शाश्वत राज्य स्थापित कर रहा था वे उनके खिलाफ हो गए। 4. फरीसियों की प्रतिक्रिया - यीशु को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किए जाने पर फरीसियों ने विरोध किया और यीशु से उनके लोगों को चुप कराने के लिए कहा। यीशु ने उन्हें पत्थर से भी कठिन होने पर डांटा। **मख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 4 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	कहानी पर प्रतिबिंबित करें और अभी ही प्रभ यीशु को निजी उद्धारकर्ता के रूप में विश्वास करने के महत्व पर चर्चा करें। **2 करिन्थियों 6:2** का उल्लेख करें, कल बहुत देर हो सकती है। यह भी विचार करें कि यह न्याय इस दुनिया पर भी कैसे गिरेगा जैसे मेंतीतुस के तहत हुआ था। और जिन लोगों को प्रभु यीशु के लिए अब कोई समय नहीं है वे नष्ट हो जायेंगे।	इस अध्ययन की समीक्षा यीशु के जीवन के संदर्भ से करें। यरूशलेम धार्मिक और राजनीतिक शक्ति का केंद्र था और यहूदी और रोमी सूबेदार भी वहाँ रहते थे। यीशु के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण घट नाओं में से कई यहां पर हुए थे, क्रूस पर चढ़ने और पुनरुत्थान सहित उनका आखिरी हफ्ता भी यहां बिताया गया था।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. चर्चा करें कि पाप से मुड़कर उद्धार के लिए यीशु पर विश्वास करने का अर्थ क्या है। 2. मख्य पद उन लोगों संबंधित करता है जो परमेश्वर के संतान होकर प्रभु यीशु को पाया है। अन्य वाक्यांशों के बारे में सोचें, जिसके द्वारा प्रभु यीशु को प्राप्त किए लोगों को बुलाया जाता है। (e.g. मसीही)	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. अनन्त जीवन मिलने की अवसर उन लोगों के लिए अभी भी उपलब्ध है जो इसे स्वीकार करने तैयार है। 2. उन तरीकों के बारे में सोचें जिस से प्रभु को हमारे ज़िंदगी की आवश्यकता हो सकती है। 3. जैसे ही **जकर्याह 9:9** की भविष्यवाणी सच हुई उसी तरह प्रभ यीशु के दूसरे आगमन के बारे में भविष्यवाणियां सच होगी।

	B4 – लेवल 3 कहानी 1- प्रभु यीशु मरता हुआ।	B4 – लेवल 4 कहानी 1- प्रभु यीशु मृत्यु।
	बाइबल अनुभाग: लूका 23: 1-26 और 32-46 ***मुख्य पद : लूका 23:33*** **हम सीख रहे की :** 1. हमारे पापों से उद्धार दिलाने के लिए यीशु अपना प्राण देता है। 2. स्वर्ग तक पहुंचने के लिए हमें अपने पापों से मुक्ति पाकर प्रभु यीशु में भरोसा करना है।	***बाइबल अनुभाग: लूका 23: 32-56*** ***मुख्य पद : यूहन्ना 15: 13,14*** **हम सीख रहे की :** 1. स्वर्ग पहुंचने के लिए हमें स्वीकार करना होगा कि हम पापी हैं और परमेश्वर की सजा का योग्य है। 2. फिर हमें विश्वास करने की आवश्यकता है कि प्रभु पवित्र है और हमारे स्थान पर सजा ले लिया है।
पहचान कराने	बच्चों से पूछो कि वे क्या पुनरुत्थान-पर्व (ईस्टर) के महत्व के बारें में क्या समझते हैं। समझाओ कि यह पाठ पहली ईस्टर की कहानी के बारें में है। चर्चा करें की इस सबक से पता चलता है कि सभी लोग स्वर्ग नहीं जा पाएंगें। प्रभु यीशु की ओर से क्रूस का एक चोर स्वर्ग में गया और दूसरा नहीं।	क्रूस तक की गिरफ्तारी, परीक्षण और कलवारी की ओर चलना सहित सारी घटनाओं का संक्षेप में वर्णन करें। इस अध्ययन से पता चलता है कि उद्धार पश्चाताप और विश्वास पर आधारित है। और कैसे पश्चाताप करने वाले चोर स्वर्ग गया और दूसरा चोर नहीं।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. पिलातुस ने यीशु में कोई दोष नहीं पाया लेकिन लोगों को प्रसन्न करने के लिए उन्हें मृत्यु दण्ड दिया। **(पद 1-7, 13-25)** 2. हालांकि पिलातुस और हेरोदेस दुश्मन थे लेकिन प्रभु यीशु के खिलाफ खड़े होने के लिए वे दोनों दोस्त बन गए। **(पद 12)** 3. क्रूस पर चढ़ाई गई के छह घंटे - मध्य में यीशु और दोनों तरफ एक चोर का होना **यशायाह 53:12** की पूर्ति थी। 4. दो चोर थे **(पद 39-43)** लेकिन एक ही सवर्ग में गया था। **पद 43** पर ध्यान आकर्षित करें: 'आज' - कितना शीघ्र, 'मेरे साथ' - क्या संगत, 'स्वर्ग में' - कितना सौभाग्य ! 5. अंधेरे के तीन घंटे **(पद 44-46)** और मंदिर का पर्दा दो ट कड़ों में फट गया जो संकेत दे रहा ता कि प्रभु यीशु हमारे लिए परमेश्वर तक पहुंचने का रास्ता है। **(इब्रनियों 10:19, 20)** **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 1 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. क्रूस पर बिताए छह घंटे (9 a.m-3 a.m) **यशायाह 53:12** की पूर्ति था। 2. पश्चाताप करने वाली चोर **(23:43)** की कहानी से पता चलता है कि उद्धार केवल पश्चाताप और विश्वास पर आधारित है। यह आदमी स्वर्ग गया लेकिन बपतिस्मा नहीं लिया था। 3. दो चोर लोगों के प्रतिनिधित्व करता हैं - जो लोग प्रभु यीशु से प्यार करते हैं और जो विरोधी हैं। 4. अंधेरे के तीन घंटे के दौरान **(44-46)** यीशु ने हमारे पापों की सजा अपने ऊपर लिया था। और उनकी मृत्यु के माध्यम से विश्वास करने वाले सभी के लिए परमेश्वर तक पहुँचाने का एक मार्ग भी खोला गया है। 5. यह कहानी बताती है कि हालांकि यूसुफ एक गुप्त शिष्य था वह उल्लिखित औरतों के तरह यीशु का सच्चा मित्र था। और उन्होंने प्रभु को दिया सम्मानजनक दफन द्वारा इसे प्रदर्शित किया। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 1 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	पाठ की समीक्षा करेंने के लिए बच्चों को **यशायाह 53:12** पढ़ने को कहे जो प्रभु यीशु की मृत्यु से 100 साल पहले लिखा गया था और बाइबल के प्रेरणा स्रोत की बारें में चर्चा करें। समूहों में क्रूस की दृश्य का वर्णन करने के लिए अखबार की कुछ सुर्खियां लिखने को कहे।	बच्चों से यशायाह 53 पढ़ने को कहे जो प्रभु यीशु की मृत्यु से 100 साल पहले लिखा गया था। सबक की समीक्षा करें और चर्चा करें कि यह **लूका 23:32-56** को कैसे प्रतिबिम्बित करता है। बाइबल की प्रेरणा स्रोत का विवरण करें। समूहों में **यशायाह 53** में उल्लेखित कुछ भविष्यवाणियों की एक सूची बनाएं जो क्रूस पर पूरा हुआ था।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. हम कैसे सुनिश्चित कर सकते है की हमारे पापों को माफ़ कर दिया गया हैं? 2. हम सभी एक चुनौती का सामना कर रहे हैं की हम किसके पक्ष में हैं - उन लोगों के पक्ष में जो प्रभु यीशु से प्यार करते है या जो उसके शत्रु हैं। 3. आप ऐसे व्यक्ति को क्या जवाब देंगे जो कहता है कि सब लोग स्वर्ग जाएंगे?	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. हम सभी को इस चुनौती का सामना करते हैं कि क्या हम यीशु का दोस्त हैं या विरोधी? 2. अगर यूसुफ़ की तरह हम प्रभु को प्यार करते हैं, तो हम इसे प्रदर्शित करने के तरीके ढूढेंगे। हम इसे कैसे दिखा सकते हैं? 3. आप ऐसे व्यक्ति का जवाब कैसे देंगे जो कहते हैं कि हम सभी स्वर्ग में जा रहे हैं?

	B4 – लेवल 3 कहानी 2- प्रभु यीशु पुनरुत्थान।	B4 – लेवल 4 कहानी 2- प्रभु यीशु पुनरुत्थान।
	बाइबल अनुभाग: यूहन्ना 20:1-18 ***मुख्य पद : रोमियों 10:9*** **हम सीख रहे की :** 1. कब्र में तीन दिन के बाद प्रभु यीशु मरे हुओं में से जी उठा। 2. मरियम मगदलीनी ने प्रभु यीशु के लिए अपना प्यार प्रदर्शित किया।	***बाइबल अनुभाग: लूका 8:1-3, यूहन्ना 20: 1-18*** ***मुख्य पद : रोमियों 10:9*** **हम सीख रहे की :** 1. प्रभु यीशु ने पुनरुत्थान करके मौत पर विजय प्राप्त की। 2. मरियम मगदलीनी प्रभु यीशु मसीह का एक समर्पित अनुयायी थी।
पहचान कराने	पुनरुत्थान के अर्थ पर चर्चा करें और किसी भी ऐसे व्यक्तियों की पहचान करने के लिए बच्चों से पूछें जिसे प्रभु यीशु ने मरें हुओं में से जी उठाया है **(लाज़र - यूहन्ना 11:44, याईर की पुत्री - लूका 8:55)** विचार करें कि पुनरुत्थान की शक्ति यीशु की है।	पुनरुत्थान के अर्थ पर चर्चा करें और किसी भी ऐसे व्यक्तियों की पहचान करने के लिए बच्चों से पूछें जिसे प्रभु यीशु ने मरें हुओं में से जी उठाया है **(लाज़र - यूहन्ना 11:44, याईर की पुत्री - लूका 8:55)** और इस पर ज़ोर देना कि प्रभु यीशु में विश्वास करके मरने वाले लोगों को पुनर्जीवित किया जाएगा।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. मरियम मगदलीनी, पतरस और यूहन्ना ने पुनरुत्थान का सबूत देखा - एक खाली कब्र। 2. पतरस और यूहन्ना घर गए लेकिन मरियम मगदलीनी कब्र के बाहर अकेली निगरानी रखती है। 3. प्रभु यीशु ने मरियम की भक्ति को उसके सामने अपने आप प्रकट करके किया और उसे समझाया कि जब वह वापस स्वर्ग चला जाएगा तब विश्वासियों के दिलों में रहने के लिए वे अपनी पवित्र आत्मा को भेजेगा। 4. प्रभु ने मरियम से अपने जीवित होने की खबर चेलों से जाकर बताने के लिए भेजा और कहा की वह उन्हें गलील में मिलना है। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 2 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. मरियम मगदलीनी ने अपने जीवनकाल में प्रभु यीशु की सेवा की और खाली कब्र पर पहली बार पहुंचकर उसकी भक्ति को साबित किया। 2. मरियम मगदलीनी, पतरस और यूहन्ना ने पुनरुत्थान का सबूत देखा और उन्होंने कब्र के कपड़े पाकीज़ा से लपेट कर रखा देखा, जो यह दिखा रहा है कि प्रभु का पुनरुत्थान व्यवस्थित और बिना हड़बड़ी का था और इस तर्क को खंडन करता था की शरीर चोरी किया गया था। 3. प्रभु यीशु ने मरियम की भक्ति को उसके सामने अपने आप प्रकट करके किया और उसे समझाया कि जब वह वापस स्वर्ग चला जाएगा तब विश्वासियों के दिलों में रहने के लिए वे अपनी पवित्र आत्मा को भेजेगा। 4. प्रभु ने मरियम से अपने जीवित होने की खबर चेलों से जाकर बताने के लिए भेजा और कहा की वह उन्हें गलील में मिलना है। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 2 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	नए नियम में निम्नलिखित संदर्भों के साथ इस पाठ को जोड़िए जहां प्रभु यीशु ने उसके जी उठने की भविष्यवाणी की थी। पुनरुत्थान के महत्व और मतलब पर चर्चा करें। **1. मत्ती 16:21, 17:23, 20:19** **2. लूका 18:33, 24:7** **3. 1 कुरिन्थियों 15: 3,4**	इस अध्याय को **1 कुरिन्थियों 15:3-8,12-20** के साथ इस सबक को जोड़े और बताएं कि **पद 4**, **यशायाह 53:9** और **भजन संहिता 16:9,10** को संकेत करता है। विभिन्न लोगों पर चर्चा करते हैं जिन्होंने अपने पुनरुत्थान के बाद प्रभु को देखा था **(पद 5-8)** और पुनरुत्थान इतना महत्वपूर्ण क्यों है **(पद 20)**
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. बच्चों का यह कहना का महत्त्व की वह प्रभु यीशु को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में प्यार करते है। 2. विचार करें कि उसके लिए हमारा प्यार हमारे जीवन को कैसे प्रभावित करेगा। 3. इस पाठ से पुनरुत्थान की नैश्चित्य जानना भी महत्वपूर्ण है।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. प्रभु यीशु के साथ एक व्यक्तिगत संबंध और प्रेम के महत्व पर विचार करें। 2. मसीही धर्म के लिए पुनरुत्थान महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर मसीह मरे हुओं में से नहीं उठता उनकी मृत्यु बेकार हो गई होती और हम स्वर्ग में रहने की आशा कभी भी नहीं कर सकते थे।

	B4 – लेवल 3 कहानी 3- प्रभु यीशु प्रस्थान।	B4 – लेवल 4 कहानी 3- प्रभु यीशु आरोहण।
	बाइबल अनुभाग: यूहन्ना 20: 19-29, लूका 24: 50-53 ***मुख्य पद : लूका 24: 51*** **हम सीख रहे की :** 1. जब प्रभु यीशु हमें बाइबल के माध्यम से कुछ कहता है उस पर सिर्फ विश्वास करके हम उन्हें खुश करते हैं। 2. यूहन्ना के सुसमाचार का उद्देश्य यह है कि जो इसे पढ़ते हैं, वे विश्वास करके अनन्त जीवन प्राप्त करें।	***बाइबल अनुभाग: लूका 24:45-53 प्रेरितों 1:1-12*** ***मुख्य पद : लूका 24:51*** **हम सीख रहे की :** 1. प्रभु यीशु चाहता है कि जो लोग उनकी सम्पत्ति है वह इस धरती पर उसके साक्षी बने। 2. एक दिन प्रभु यीशु पृथ्वी पर वापस आ रहा है ताकि वह उन लोगों को स्वर्ग ले जाए जो उनकी सम्पत्ति है।
पहचान कराने	प्रासंगिक उदाहरणों के साथ चर्चा की कैसे हम कई चीजों पर विश्वास करते हैं जो अनदेखा और अनछुआ है। समझाएं कि मसीहीयों का विश्वास सिर्फ दिखाई पर नहीं लेकिन परमेश्वर के वचन और प्रभु यीशु पर विश्वास करने पर आधारित है।	चर्चा करें कि हम उन लोगों कि मरने से पहले बोली गई अंतिम शब्दों को कैसे संजोए रखते हैं जिन्हें हम प्यार करते हैं। विशेष रूप से इतिहास के महान व्यक्तियों के मरने से पहले की अंतिम शब्दों में से कुछ पर विचार करें और इसे प्रभु यीशु के अंतिम शब्दों से संबंधित करें। **(प्रेरितों 1:8,9)**
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. चेलों के लिए यीशु की प्रकटन पर चर्चा करें और चेलों से यीशु के शब्दों पर ध्यान दे: 'तुम्हे शान्ति मिलें ' **(पद 21)** समझाओ कि यीशु की मृत्यु के परिणामस्वरूप, जो विश्वास करते हैं, वे सच्ची शांति प्राप्त करते हैं। 2. यीशु ने अविश्वासी थोमा के नरमी से व्यवहार किया और उसे विश्वास दिलाया कि वह पुनरुत्थान प्रभु यीशु मसीह ही था। 3. थोमा ने विश्वास और प्रतिबद्धता की शब्दों के साथ प्रतिक्रिया दिया। 4. जैतून के पहाड़ से जी उठने के चालीस दिन के बाद प्रभु यीशु स्वर्ग चला गया। इसके बाद चेलों ने प्रभु का पुनरुत्थान और फिर से आने की संभावना के लिए परमेश्वर की प्रशंसा और धन्यवाद करने मंदिर लौटे। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 3 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. प्रभु ने अपने शिष्यों को यरूशलेम, पलिश्तीन में और पूरे विश्व में उसके लिए साक्षी मानने का आदेश दिया **(प्रेरितों 1:8)** 2. प्रभु यीशु जैतून के पहाड़ से स्वर्ग तक चढ़ गया **(पद 12)** और वे फिर जैतून के पहाड़ पर लौट आएंगे। **(जकर्याह 14:4)** 3. वह स्वंय और प्रत्यक्ष रूप से आरोहण किया। एक दिन वह फिर से स्वंय **(मलाकी 3:1)** और प्रत्यक्ष रूप से वापस आएगा **(मत्ती 24:30)** 4. उसे बड़ी महिमा और सामर्थ्य के साथ बादल पर उठाया गया और स्वर्ग के बादलों पर बड़ी महिमा और सामर्थ्य के साथ वे वापस भी आएगा। **(मत्ती 24:30)** **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 3 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	मुख्य पद सीखिए और चर्चा करें कि कैसे यह इस पाठ को सारांश करता है। बच्चों को याद दिलाना कि चेले भी पवित्र आत्मा के आगमन के विषय में बनाया गए वादा की पूर्ति की तलाश में थे। **(लूका 24:49)**	ऊपर 1-4 अंकों में दिए गए बाइबल पदों को देखिए, और उसके पुनरुत्थान के बाद स्वर्ग जाना और पृथ्वी पर फिर से आने के साथ उसकी तुलना और समानता करें।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. हम प्रभु यीशु पर उन्हें देखे बिनाउद्धार के लिए कैसे भरोसा कर सकते हैं? 2. प्रभु यीशु अपने उठाए जाने के बाद अपने चेलों को उसके लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। आज हम उसके लिए क्या काम कर सकते हैं?	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. अपने घर, स्कूल, या दोस्तों के बीच एक विश्वासी कैसे प्रभु यीशु के लिए गवाह बन सकते हैं? 2. उन लोगों के बारे में सोचें जिन्होंने दुनिया के दूसरे हिस्सों में मिशनरी होने के लिए अपनी मातृभूमि छोड़ी है। 3. पुनरुत्थान को एक तथ्य के रूप में देखे, जिसके बहुत अधिक सबूत बाइबल में हैं।

	B4 – लेवल 3 कहानी 4- प्रभु यीशु लौटना।	B4 – लेवल 4 कहानी 4- प्रभु यीशु पुनरागमन।
	बाइबल अनुभाग: प्रेरितों 1:4; 8-12 ***मुख्य पद : प्रेरितों 1:11*** **हम सीख रहे की :** 1. सुसमाचार सुनाने या प्रचार करने के लिए पवित्र आत्मा की शक्ति आवश्यकता है। 2. प्रभु यीशु जो स्वर्ग आरोहण किया था वे स्वर्ग में उसके साथ रहने के लिए तैयार उन लोगों को लेने के लिए फिर से पृथ्वी पर वापस आने वाला है।	***बाइबल अनुभाग: यूहन्ना 14: 1-6; प्रेरितों 1:9 -11*** ***मुख्य पद : 1 थिस्सलुनीकियों 4: 16,17*** **हम सीख रहे की :** 1. पृथ्वी पर प्रभु का पुनरागमन ऐसा एक घटना है जो निश्चित रूप से होने वाला है, हालांकि तारीख या समय अज्ञात है। 2. पुनरागमन पर, मसीह में मृतक उस समय जीवित मसीही के साथ स्वर्ग उठाया जाएगा।
पहचान कराने	किसी घटना की एक गवाह के बारे में बात करें जिसने वास्तव में उस सारी घटना को देखा या सुना हो। चेलों ने परमेश्वर के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधारित बात किया। यह भी विचार करें कि चेलों को प्रभु यीशु के लिए गवाह बनाने की जो शक्ति प्राप्त हुई वही शक्ति हम भी प्राप्त कर सकते है अगर हम अपने पाप से मुड़कर उद्धार के लिए प्रभु यीशु ने क्रूस पर जो किया उस पर भरोसा करें। हमें भी गवाह बनना चाहिए।	बच्चों को याद दिलाएं कि मनुष्य के रूप में प्रभु की पृथ्वी पर आने के बारें में पुराने नियम के सभी भविष्यवाणियों पूरा हो चूका था और इसी तरह प्रभु के पुनरागमन की सभी भविष्यवाणियां भी पूरे हो जाएंगे। बच्चों के साथ चर्चा करें कि जब हम प्यार करने वाले कही चले जाते है तो हम उसके लौटने के लिए लंबे समय तक इंतज़ार करते हैं और कैसे प्रभु यीशु पर भरोसा करने वाले लोगों को उनका पुनरागमन की इंतज़ार करना चाहिए। **तीतुस 2:13**
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. प्रभु ने अपने चेलों को सबसे पहले यरूशलेम फिर पलिश्तीन और अंत में पूरे विश्व में अपने गवाह होने का आदेश दिया था। **(प्रेरितों 1:8)** 2. झलकते वस्त्र में दो लोग कब्र में आने वाली महिलाओं से मिले **(लूका 24:4)** और उन्हें बताया कि कब्र खाली है और प्रभु यीशु मृतकों से जी उठा था। यह शायद वही स्वर्ग दूत समान प्राणी थे जो अब चेलों से पुनरागमन के बारें में कह रहे थे। **(प्रेरितों 1:10-11)** 3. यीशु की पुनरागमन स्वर्गारोहण के समान होगी। 4. पुनरागमन का समय अज्ञात है इसलिए तैयार रहना जरूरी है। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 4 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. झलकते वस्त्र में दो लोग कब्र में आने वाली महिलाओं से मिले **(लूका 24:4)** और उन्हें बताया कि कब्र खाली है और प्रभु यीशु मृतकों से जी उठा था। 2. यह शायद वही स्वर्ग दूत समान प्राणी थे जो अब चेलों से पुनरागमन के बारें में कह रहे थे। **(प्रेरितों 1:10-11)** **3. यूहन्ना 14:3** और **प्रेरितों 1:11** में प्रभु के वादे की तुलना करें और शास्त्रों की सटीकता और प्रेरणा दोनों को समझाएं। **4. 1 थिस्सलुनीकियों 4:16, 17** पढ़ो और समझाएं कि पौलुस को पुनरागमन के बारें में विशेष अंतर्दृष्टि था। **निम्नानुसार समझाएं:** सुनने के लिए एक आवाज - ललकार और तुरही; देखने के लिए एक नज़ारा - खुद प्रभु को; महसूस करने के लिए एक चमत्कार - स्वर्गारोहण; आनंद लेने के लिए एक संगम - बादलों में प्रभु से मिलना; और अनुभव करने के लिए आराम - हमेशा के लिए प्रभु के साथ। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 4 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	निम्नलिखित बाइबल पदों की ओर मुड़ें और बताइए कि रात में चोर के रूप में आने के बारे में प्रभु ने कहा था क्योंकि कोई नहीं जानता कि चोर कब आएगा। इसलिए हमारे उद्धार के लिए उस पर विश्वास करने की आवश्यकता है और तैयार होकर उसकी वापसी के लिए इंतजार करना है। **मत्ती 24:44, लूका 12:20**	पुनरागमन से उन लोग नहीं डरते जो उद्धार पाकर प्रभु से मिलने के लिए तैयार हैं। बाइबल सिखाता है कि मसीहियों को उनकी वापस लौटने के लिए आशा करके उस तरह जीना चाहियें जिसे वह प्रसन्न हो। **तीतुस 2:11-14 और 1 यूहन्ना 3:2,3** देखें।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. सभी को यह विचार करना होगा कि अगर प्रभु इस वक्त वापस आता है तो वह स्वर्ग जाने के लिए वे तैयार हैं या नहीं। 2. पुनरागमन के बारें में जो भी सीखा है उस पर आधारित उन लोगों को क्या जवाब दोगे जो कहते है कि स्वर्ग जाने की तैयारी में बहुत समय बाकी है? 3. स्वर्ग के लिए तैयार होने का सबसे अच्छा समय कब है? **2 कुरिन्थियों 6:2** को देखे।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. विश्वासियों को प्रभु के पुनरागमन की निकटता के प्रकाश में धार्मिक जीवन जीना चाहिए ताकि प्रभु की वापस आने पर उन्हें विश्वासयोग्य पाया जाए। इसका मतलब क्या है? 2. अविश्वासियों को पुनरागमन पर पीछे छोड़ दिया जाएगा। मसीही होने के नाते इस दुखद वास्तविकता किस तरह हमे चुनौती देता है जिससे अविश्वासियों के लिए हम प्रभु कि गवाह बन सके?

	B5 – लेवल 3 कहानी 1- प्रभु के सेवक परमेश्वर द्वारा सुसज्जित।	B5 – लेवल 4 कहानी 1- प्रारंभ मसीही स्तिफनुस।
	बाइबल अनुभाग: प्रेरितों 1: 7-9 प्रेरितों 2: 1-13 ***मुख्य पद : यूहन्ना 14: 16,17*** **हम सीख रहे की :** 1. कलीसिया के शुरुआती दिनों में प्रभु ने प्रेरितों से सुसमाचार को पहले स्थानीय स्तर पर फिर पूरी दुनिया भर घोषित करने की आज्ञा दी। 2. जैसे पवित्र आत्मा प्रेरितों के दिलों में रहते थे वैसे ही जो लोग प्रभु यीशु पर भरोसा करते है उन्हें अपने मसीही जीवन में मदद करने के लिए प्रभु उपस्थित होकर शक्ति देंगें।	***बाइबल अनुभाग: प्रेरितों 6:1-15, 7: 54-60*** ***मुख्य पद : प्रेरितों 6:8*** **हम सीख रहे की :** 1. स्तिफनुस जैसे क्षमता रखने वाले लोग हैं जो दुनिया को परमेश्वर के लिए बदल देता है। 2. स्तिफनुस की तरह सच्चे विश्वासियों सुसमाचार की सच्चाई का प्रचार करने के लिए निर्धारित हैं और ऐसे लोग इससे ज्यादा चिंतित हैं कि परमेश्वर क्या सोचता है न की मनुष्य क्या सोचता या कहता है।
पहचान कराने	छात्रों को यह सोचने के लिए कहें कि स्वर्गारोहण और पिन्तेकस्त के दिन पवित्र आत्मा के आने पर चेलों ने कैसे महसूस किए होंगे। प्रेरितों के दो मुख्य विषयों की व्याख्या कीजिए: 1. स्वर्गारोहण के बाद प्रभु यीशु इस धरती पर उन लोगों के माध्यम से काम कर रहा है जिन्होंने अपनी पवित्र आत्मा के द्वारा उस पर भरोसा किया है। 2. 60 - 67 AD में जब यह पुस्तक लिखी गई थी तब भी स्वर्ग में प्रभु यीशु के पुनरुत्थान और सराहना, इस सन्देश का मूल था ।	चर्चा करें कि उत्पीड़न का मतलब क्या है और आधुनिक दिन के उदाहरणों के बारे में सोचें। समझाओ कि ईसाई धर्म के शुरुआती दिनों में शासन के ऊपर धार्मिक नेताओं का प्रभाव काफी बड़ा था। और मसीही अपने विरोधियों के लिए तैयार थे लेकिन हमेशा गरिमा के साथ प्रतिक्रिया की। मसीही ने सरकार का सम्मान किया और आज्ञा पालन किया जब तक कि मनुष्य के कानून ने परमेश्वर के कानूनों का खंडन नहीं किया।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. इस पुस्तक की मुख्य पद **प्रेरितों 1:8** है। और यह पुस्तक सुसमाचार की भौगोलिक प्रगति के संबंध पर आधारित है : यरूशलेम में गवाह - **अध्याय 1-7** यहूदा में गवाह - **अध्याय 1-4** सामरिया में गवाह - **अध्याय 8: 5-25** दुनिया में गवाह - **अध्याय 8: 26** 2. पिन्तेकस्त का दिन **(2:1)** वह दिन था जिस पर पवित्र आत्मा विश्वासियों में स्थायी रूप से अन्तर्निवास करने के लिए आया था। वे पवित्र आत्मा से भी भरे थे **(2:4)** जब हम प्रभु पर भरोसा करते हैं, तो पवित्र आत्मा हमारे जीवन में निवास करने आते है। लेकिन पवित्र आत्मा से भरने के लिए हमें बाइबल पढ़ने और प्रार्थना में समय बिताकर परमेश्वर के लिए आज्ञाकारी होना चाहिए। 3. प्रभु यीशु ने क्रूस पर अपना काम खत्म करके सही नींव रखी और अपनी पवित्र आत्मा के माध्यम से अब उनकी मौत की अच्छी खबर के गवाह और पुनरुत्थान और उद्धार का संदेश फैलाने में सहायक बनने के लिए विश्वासियों को सशक्तीकरण कर रहा था। पवित्र आत्मा को मुख्य पद **यूहन्ना 14:16** में सहायक के रूप में प्रस्तुत किया गया है और यह दिखा रहा है की प्रभु यीशु हमारा मध्यस्थ या सहायक भी है। **मख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रौत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 1 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. स्तिफनुस उन गुणों को प्राप्त करता है जिन्हें मसीही के जीवन में स्पष्ट होना चाहिए: ईमानदार, पवित्र आत्मा से परिपूर्ण, विश्वास और शक्ति से भरा, विवेक और प्रभु यीशु के लिए सेवा करना। (देखे प्रेरितों) 2. स्तिफनुस के शक्तिशाली सेवा का विरोध यहूदीयो के समुदायों से उभर आया जिन्हे यरूशलेम में या आसपास आराधनालय थे। हालांकि, जब स्तिफनुस महासभा, एक यहूदी न्यायालय, के सामने प्रकट हुआ, उन्होंने उसके खिलाफ झूठे आरोपों को सुना; फिर उन्होंने स्तिफनुस के चेहरों में यीशु की महिमा को देखा **(प्रेरितों 6:15)** स्तिफनुस ने बहुत ही निपुण से बचाव दिया **(प्ररिक्षां 7 :1-53)** और यहूदियों के नेताओं पर सख़्त हमला किया। पवित्र आत्मा का विरोध करने के साथ उन्हें प्रभु यीशु की क्रूस पर चढ़ाने को आरोप लगाया। 3. स्तिफनुस को पता होना चाहिए कि उनका जीवन दांव पर था। लेकिन अपने प्रभु को धोखा देने की तुलना में मरना के लिए तैयार था। जैसे ही उसने स्वर्ग को खुला देखे की गवाही दी, **(प्रेरितों 7:56)** भीड़ ने उसे शहर के बाहर खींच लिया और उसे पथराव करके मार डाला। **मख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रौत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 1 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	डाक्टर लूका, प्रेरितों का लेखक, इस पुस्तक का शुरू करता है यह कहकर 'जो यीशु आरंभ से करता और सिखाता रहा' **प्रेरितों 1:1** **प्रेरितों 28:31** पौलुस अभी भी सुसमाचार की अच्छी खबर का प्रचार कर रहा है। विचार करें कि प्रेरितों की पुस्तक अभी भी जारी है - सुसमाचार का काम अधूरा है, जब तक कि उन पर भरोसा रखनेवालों के लिए प्रभु वापस नहीं आएगा।	चर्चा करें की कैसे यह पद इस अध्याय का सारांश करता है: **1. 2 तीमुथियुस 2:3** - यीशु मसीह के एक अच्छे योद्धा के समान मेरे साथ दुःख उठा। **2. 1 पतरस 4:14** - यदि मसीह के नाम के लिए तुम्हारी निन्दा की जाती है।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. एक विश्वासी के रूप में पवित्र आत्मा हम में अन्तर्निवास हैं। आत्मा से परिपूर्ण होना हमारी ज़िम्मेदारी है। **इफ़िसियों 5:18** पढ़े। 2. बाइबल टाइम के सबक आपको बाइबल पढ़ने और प्रार्थना करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। जो आप पढ़ते है और प्रभु से दिए मार्गदर्शन को अपने दैनिक जीवन में प्रयोग करें।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. जैसे ही स्तिफनुस प्रभु यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान की अपने विश्वासों के लिए शहीद हुए आज भी बहुत मसीही उसी विश्वासों के लिए सताया जा रहा है, यहां तक कि मारे भी जा रहे हैं। 2. चाहे हमारे जीवन में कैसे भी परिस्थिति हो उसके बीच में हमें वफादार और विश्वासयोग्य रखने के लिए प्रभु यीशु से हमें प्रार्थना करनी चाहिए।

	B5 – लेवल 3 कहानी 2- प्रभु के सेवक मरने के लिए तैयार।	B5 – लेवल 4 कहानी 2- प्रारंभ मसीही फिलिप्पुस।
	बाइबल अनुभाग: प्रेरितों *मुख्य पद : मत्ती* **हम सीख रहे की :** 1. परमेश्वर द्वारा इस्तेमाल होने से पहले स्तिफनुस छोटी चीज़ों में विश्वासयोग्य था। अद्भुद काम और चिन्ह दिखाने पहले वह लोगों को खाने - पिलाने के सेवा करते थे। **(प्रेरितों 6: 2,8)** 2. स्तिफनुस प्रभु यीशु की तरह है कि एक विश्वासयोग्य और निर्दोष था जो सुसमाचार की खातिर अपना जीवन देने के लिए तक तैयार था।	*बाइबल अनुभाग: प्रेरितों 6: 5; 8: 4-17; 8: 26-40* *मुख्य पद : प्रेरितों 8:35* **हम सीख रहे की :** 1. फिलिप्पुस सुसमाचार का एक सफल प्रचारक था जो सामरिया में एक बड़ा पुनरुत्थान को छोड़कर गाज़ा जाने को तत्पर था जहाँ उन्हें एक जरूरतमंद व्यक्ति से सुसमाचार को बाँटना था। 2. प्रभु यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में विश्वास करने के बाद, कूशी बपतिस्मा लेकर प्रभु का आज्ञा पालन करने के लिए उत्सुक था और घर वापस जाते वह अपने दिल में बहुत खुश था।
पहचान कराने	सोचें कि विश्वास के लिए उत्पीड़न सहने का मतलब क्या है और वर्तमान उदाहरण दें। समझाएं कि शुरुआत में जब मसीही सुसमाचार के प्रचार के लिए निकले तो कैसे उन्हें सरकार और धार्मिक नेताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। वे अपने शासकों का सम्मान और आज्ञा पालन करने तैयार थे लेकिन जब मनुष्य के कानून परमेश्वर के कानून की विरुद्ध हो तो वे आज्ञा का उल्लंघन करके शहीद होने भी तैयार थे।	**प्रेरितों 6:5** में चुने गए सात लोगों में से फिलिप्पुस एक था जो कलीसिया की कामकाज का देखभाल करता था। बाद में वह सामरिया में सुसमाचार का प्रचारक बना। वहाँ एक पुनःप्रवर्तन के बीच में प्रभु ने उसे एक कूशी अजनबी को से मिलने गाज़ा - एक मरुभूमि जाने के लिए कहा, क्योंकि प्रभु चाहता था की फिलिप्पुस इस आदमी के रूपांतरण और बपतिस्मा दोनों में सहायक बने। इसके बाद चमत्कारिक रूप से फिलिप्पुस को वहाँ से हटा दिया गया और वह अन्य देशों में फिर से सुसमाचार के प्रचार शुरू किया।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. स्तिफनुस के चरित्र को मसीही के रूप में वर्णित किया गया है जो पवित्र आत्मा से परिपूर्ण, अच्छे और ईमानदार **(प्रेरितों 6:3)** ज्ञान, अनुग्रह और सामर्थ्य से भरा **(प्रेरितों 6:8,10)** और प्रभु के काम में सक्रिय था **(प्रेरितों 6:10)** 2. जब यहूदी नेताओं ने गलत तरीके से उन्हें गिरफ्तार किया, तो स्तिफनुस ने अपने आरोपियों को याद दिलाया कि यहूदीयों ने न केवल लगातार प्रभु यीशु को अस्वीकृत किया था परन्तु उनका अंतिम अपराध था उस धर्मी को क्रूस पर चढ़ाना। **(प्रेरितों 7:52)** 3. हालांकि स्तिफनुस एक क्रोधित भीड़ से घिरा हुआ था और वे लोग उन्हें मारने के लिए पथराव कर रहे थे, फिर भी प्रभु यीशु की तरह स्तिफनुस ने अपनी आत्मा को पमेश्वर को समर्पित किया। **(प्रेरितों 7:59)** और उसके हत्यारों के लिए प्रार्थना करके सौ गया। **(प्रेरितों 6:60)** यहाँ 'सोना' शब्द स्तिफनुस की शरीर को सूचित करता है जो प्रभु अपने कलीसिय को लेने वापस आने तक सौ रहा है। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 2 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. फिलिप्पुस परमेश्वर के आज्ञाकारी था और सुसमाचार का प्रचार करने के लिए कूश जाने के लिए तैयार था। 2. कूशी अफ्रीका से यरूशलेम आराधना करने आया था लेकिन उसे सुसमाचार की वास्तविक समझ नहीं था। वह मदद के लिए बाइबल पढ़ने लगा। 3. फिलिप्पुस परमेश्वर द्वारा निर्देशित, उचित समय पर आकर उसे **यशायाह 53** का व्याख्या करता है। उसने उसे दिखाया कि यह अध्याय कैसे प्रभु यीशु कि जीवन और मृत्यु के बारे में है। 4. कूशी प्रभु यीशु में विश्वास करके तुरंत बपतिस्मा लेकर आनन्दित होके वापस घर जाता है। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 2 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	सुनिश्चित करें कि बच्चे मुख्य पद सीखे और चर्चा करें कि कैसे यह पद इस पाठ को सारांशित करता है और कैसे यह प्रभु यीशु और स्तिफनुस दोनों से संबंधित है, क्योंकि दोनों ने अपने हत्यारों के लिए प्रार्थना किया **(लुका 23:34, प्रेरितों 7:40)** और दोनों ने अपनी आत्माओं को परमेश्वर को समर्पित किया **(लूका 23:46, प्रेरितों 7:60)**	इस अध्याय को **यशायाह 53** के साथ जोड़े। समझाएं कि इस अध्याय को 740 - 680 एक बीच लिखा गया था और कैसे यह यशायाह सही ढंग से प्रभु यीशु मसीह का मौत, दफन, पुनरुत्थान की भविष्यवाणी करती है।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. हमें प्रभु यीशु के प्रति विश्वासयोग्य कैसे होना चाहिए? 2. प्रभु के लिए स्तिफनुस की भक्ति आज हमारी भक्ति को कैसे चुनौती देता है जब सरकारों द्वारा किए गए कुछ कानून बाइबल के पूर्ण विरोध में हैं?	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. जब प्रभु हमें उसके लिए एक काम करने के लिए कहता है क्या हम बिना किसी सवाल के पालन करते हैं? 2. मसीही के रूप में दूसरों को प्रभु यीशु की ओर आकर्षित करने एक अच्छी गवाह बनने में हम अपनी जिम्मेदारियों को कैसे जी रहे हैं?

	B5 – लेवल 3 कहानी 3- प्रभु के सेवक सुनने के लिए तैयार।	B5 – लेवल 4 कहानी 3- प्रारंभ मसीही कुरनेलियुस।
	बाइबल अनुभाग: प्रेरितों 8: 5; 26-40 ***मुख्य पद : प्रेरितों 16: 31*** **हम सीख रहे की :** 1. फिलिप्पुस के फुर्तीला और निश्शंक आज्ञाकारिता के परिणामस्वरूप प्रभु ने कूशी को प्रभु के पास लाने के लिए उनका उपयोग किया। 2. प्रभु की आज्ञापालन करने की परिणामस्वरूप कूशी आनन्दित होकर अपने घर वापस गया।	***बाइबल अनुभाग: प्रेरितों 10: 1-8; 23-48*** ***मुख्य पद : प्रेरितों 10:43*** **हम सीख रहे की :** 1. सुसमाचार यहूदी और अन्यजातियों सभी के लिए तुल्य है। 2. कुरनेलियुस और उसके परिवार प्रभु यीशु में विश्वास करने वाले पहले नागरिकों थे।
पहचान कराने	समझाओ कि कभी-कभी परमेश्वर चाहता है कि हम कुछ ऐसा करें जो हम कभी भी नहीं किया हो। बताएं की सामरी में प्रभु द्वारा किए जा रहे एक महान काम फिलिप्पुस देख रहा था। लेकिन प्रभु ने उसे बहुत लोग परिवर्तित हो रहे सामरी को छोड़कर गाज़ा के रेगिस्तानी इलाके में जाने के लिए निर्देश दिया जहाँ केवल एक कूशी व्यक्ति को आध्यात्मिक रूप से मदद चाहिए था।	यहूदियों और अन्यजातियों के बीच की स्थिति की व्याख्या करें और कैसे सामान्य रूप से एक यहूदी अन्यजातियों से बहुत ज़्यादा संपर्क नहीं रकते थे और उनके घर कभी नहीं जाते थे। कुरनेलियुस एक रोमन सिपाही, सूबेदार और एक अन्यजाति था जो कैसरिया के शहर में रहते थे और अपने सेना का एक प्रमुख व्यक्ति थे। वह एक धार्मिक जीवन जीता था लेकिन प्रभु यीशु को जानता नहीं था। लेकिन वह ईमानदारी से अपने पापों की क्षमा की खोज कर रहा था और परमेश्वर ने यह देखा और उसने पतरस से संपर्क किया, जिन्होंने कुरनेलियुस और परिवार को सुसमाचार सुनाया।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. जब फिलिप्पुस कूशी से मिलता है तब वह **यशायाह 53:7,8** पढ़ रहा है और फिलिप्पुस को प्रभु यीशु की जिंदगी और मृत्यु के बारे में उससे बात करने का अवसर मिलता है। 2. कूशी ने फिलिप्पुस से सीखा कि यशायाह में उल्लिखित व्यक्ति प्रभु यीशु था जो क्रूस पर मृत्यु के बाद अपने उद्धारकर्ता बना था। और खुशी को एहसास हुआ कि वह एक पापी है और प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करके अपने उद्धारकर्ता के रूप में प्राप्त किया। 3. फिलिप्पुस ने कूशी को बपतिस्मा लेने का आवश्यकता समझाया और जब वे पानी के पास आया तो फिलिप्पुस उसे बपतिस्मा दिया। कूशी के साथ यात्रा करने वाले कर्मचारी ने न केवल उनका बपतिस्मा को देखा उन्होंने यह भी देखा की कूशी यीशु नासरी का शिष्य बनकर कितना खुश था। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 3 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. एक दिन सुबह 3 बजे सुबह कुरनेलियुस ने एक स्पष्ट दर्शन देखा जिसमें एक स्वर्गदूत प्रकट होकर याफा से पतरस को लाने के लिए लोग भेजने को कहा। 2. पतरस जब कुरनेलियुस के घर आया तो वहां उसे सुनने के लिए अन्य लोग भी मौजूद थे। 3. पीटर वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा था कि परमेश्वर व्यक्तियों में भेदभाव नहीं दिखाया - उद्धार यहूदियों और अन्यजातियों दोनों के लिए था। 4. पतरस ने मौजूद लोगों के बीच प्रभु यीशु मसीह के जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान के बारे में प्रचार किया और उन्हें यह बता कर समाप्त किया कि अगर वे उस पर विश्वास करते हैं तो वे अपने पापों की क्षमा प्राप्त करेंगे। 5. वहां उपस्थित अन्यजातियों ने यही किया और यह पहले अन्यजाति लोग थे जो प्रभु यीशु में विश्वास करके बपतिस्मा लिया। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 3 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	**यशायाह 53** के साथ इस सबक से जोड़िए और विशेष रूप से **पद 7 और 8 पर** चर्चा करें। प्रभु यीशु ने क्रूस का सहन किया जैसे एक भेड़ उसके घसियारा के सामने चुप रहते है। उन्हें इंसाफ नहीं मिला और अपने प्रथम अवस्था में हमारे पापों के लिए क्रूस पर चढ़ाया गया।	एक यहूदी के घर में प्रवेश करते पतरस की मनोभाव पर विचार करें। **प्रेरितों 10:9 -17** को पढ़े और देखे की कैसे पतरस को मार्गदर्शन दिया गया की उसे क्या करना है और उसे लोगों को सुसमाचार बाँट ने के बारे में सोचना चाहिए था।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. यह समझने के लिए कि आज्ञाकारी मसीही दूसरे विश्वासियों और अविश्वासियों के जीवन में वास्तविक अनुग्रह ला सकते हैं। 2. प्रभु यीशु में निजी विश्वास के बाद बपतिस्मा लेने चाहिए।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. यह समझने के लिए कि पापों की क्षमा सभी के लिए उपलब्ध है चाहे वे किसी भी जाति, संस्कृति या धर्म का हो। 2. यह समझने के लिए कि अब हमें दर्शन की आवश्यकता नहीं है क्योंकि आज हमारे पास बाइबल है कि जो हमारे जीवन के लिए मार्गदर्शन देता है और स्पष्ट करता है की कैसे हमारे पापों को माफ किया जा सकता है।

	B5 – लेवल 3 कहानी 4- प्रभु के सेवक जाने के लिए तैयार।	B5 – लेवल 4 कहानी 4- प्रारंभ मसीही बरनबास।
	बाइबल अनुभाग: प्रेरितों 10: 120; 24-29; 33-43 ***मुख्य पद : प्रेरितों 10:43*** **हम सीख रहे की :** 1. हालांकि कुरनेलियुस एक बहुत अच्छा आदमी था लेकिन किसी को उसे यह बताने की जरूरत थी कि वह एक मसीही कैसे बन सकता है 2. अपने सपने के माध्यम से यह पता चला कि सुसमाचार सभी के लिए है न कि केवल यहूदियों के लिए।	***बाइबल अनुभाग: प्रेरितों 4:32-37; 9: 26-31; 11: 19-30*** ***मुख्य पद : प्रेरितों 11: 24*** **हम सीख रहे की :** 1. अच्छे कर्म करने से हम मसीही नहीं बन सकते। 2. मसीही भला करते हैं क्योंकि एक मसीही जीवन में आत्मा का फल में से एक भलाई है। **(गलातियों 5:22)**
पहचान कराने	यह पाठ कैसरिया, एक तटीय शहर में हुआ है। कुरनेलियुस वहां एक रोमन सैन्य अधिकारी थे और एक सूबेदार के रूप में सौ लोगों का नेतृत्व करता था। लेकिन वह एक ऐसा व्यक्ति था जो परमेश्वर को खोज रहा था। वह एक अन्यजाति का था, लेकिन इस समय तक पतरस ने केवल अपने यहूदी भाईयों के बीच में ही सुसमाचार का प्रचार किया करता था।	बरनबास का परिचय सबसे पहले हमें **प्रेरितों 4:36** में मिलते है। उसका नाम का अर्थ शान्ति का पुत्र था। वह साइप्रस द्वीप से आया था और बाइबल हमें बताती है कि उसने भूमि बेच दी और उस पैसे को लाकर प्रेरितों को दिया। वह अपने नाम के अनुरूप आचरण कर रह रहे थे कि उनकी उदारता से प्रेरितों को बड़ा प्रोत्साहन हुआ होगा।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. दर्शन में स्वर्गदूत ने कुरनेलियुस को पुरुषों को याफा - केसरिया के दक्षिण का एक शहर, भेजकर शमौन पतरस को बुला लाने के लिए कहा। 2. प्रार्थना करने जब पतरस छत पर चढ़े उसने एक दर्शन देखा, और उसके एक दिन बाद परमेश्वर ने इस बात का प्रकाशित किया कि सुसमाचार केवल यहूदियों तक ही सीमित नहीं था लेकिन अन्यजाति के लिए भी था। परमेश्वर केवल दो तरह के लोगों को देखता है - जो उनके अपने हैं और जो नहीं हैं 3. पतरस जब कुरनेलियुस के घर पहुंचे उन्होंने स्वीकार किया कि उनका मानना था कि परमेश्वर का अनुग्रह केवल यहूदी के पक्ष ही सीमित था लेकिन यहूदियों ने सीखा था: परमेश्वर किसी का पक्ष नहीं करता। **(प्रेरितों 10:34)** 4. पतरस वहां मौजूद लोगों को सुसमाचार सुनाया और इस पर जोर दिया की जो भी विश्वास करता है वे सभी उद्धार पाएंगे। **(प्रेरितों 10:43)** उपस्थित लोग ने विश्वास करके बपतिस्मा लिया और यह कलीसिया में अन्यजातियों का प्रवेश की शुरुआत थी। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 4 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. बरनबास प्रभु का एक समर्पित सेवक था और वह निस्वार्थ था वह अपने समय और संपत्ति का इस्तेमाल किया ताकि दूसरों की मदद की जा सके। वह चाहता था कि लोग प्रभु को व्यक्तिगत रूप से जान सकें और वह उन लोगों की मदद करना चाहता था जिन्हें जीवन की बुनियादी जरूरतों की आवश्यकता थी। इन सब का परिणामस्वरूप उन्हें एक भला मनुष्य के रूप में जाना जाता था। 2. बरनबास ने पौलुस का सहायता किया जब यरूशलेम के मसीही ने उन्हें स्वीकार करने से डर रहे थे तब पौलुस ने उसका समर्थन किया। **(प्रेरितों 9:27)** 3. यरूशलेम की कलीसिया ने बरनबास को अन्ताकिया की कलीसिया के विश्वासियों को प्रोत्साहन करने के लिए भेजा था। और जब वह वहाँ था बहुत से लोगों ने प्रभु पर विश्वास किया। उसने अन्ताकिया की नए मसीही को मन लगाकर प्रभु से लिपटे रहने को प्रोत्साहित किया। **(प्रेरितों 11:23)** शायद नए मसीही के लिए इससे ज्ञानपूर्ण शब्द नहीं होंगे। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 4 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	मुख्य पद सीखिए और चर्चा करें कि यह आज के सबक का सारांश कैसे करता है। और बच्चों को **यूहन्ना 3:15,16** में 'जो कोई उस पर विस्वास करे' वाक्य को समझाएं।	बच्चों से ऐसे प्रश्न पूछकर अध्ययन की समीक्षा करें, जिससे वे अध्ययन 4 में सवालों के जवाब दे सकें।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. अन्य राष्ट्रों के लोगों के साथ सुसमाचार साझा कैसे करे। 2. अपने स्वयं के शब्दों में **प्रेरितों 10:34** समझाएं।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. हमारे मसीही जीवन में भलाई को हम कैसे प्रदर्शित कर सकते है। 2. मसीही होने के नाते प्रभु के लिए हम कैसे सच्चा रह सकते है।

	B6 – लेवल 3 कहानी 1- युसूफ का जीवनकाल युवा स्वप्नद्रष्टा।	B6 – लेवल 4 कहानी 1- याक़ूब और उनके परिवार हारान में।
	बाइबल अनुभाग: उत्पत्ति 37: 1-11 ***मुख्य पद : उत्पत्ति 37: 8*** **हम सीख रहे की :** 1. जब युसूफ केवल सत्रह वर्ष का था परमेश्वर ने सपनों द्वारा उससे बात की और उन्हें बताया कि उन्होंने अपने जीवन के लिए एक योजना बनाई है। 2. ईर्ष्या की पाप से परमेश्वर नाराज है और यह बाद में अधिक गंभीर पाप बन सकता है। और इसलिए इससे हमें बच के रहना चाहिए।	***बाइबल अनुभाग: प्रेरितों 29: 1 - 30*** ***मुख्य पद : गलतियों 6: 7*** **हम सीख रहे की :** 1. परमेश्वर सब कुछ पर पूर्ण नियंत्रण में है और उसका समय सही है। 2. अगर हम अपने जीवन में पापपूर्ण कृत्यों बो रहे हैं, उसका परिणाम हमें काटना पड़ेगा।
पहचान कराने	बच्चों को युसूफ के पूर्वज, अब्रहम, इसहाक, याक़ूब और उनके परिवार के बारें में याद दिलाएं। यूसुफ याकूब और राहेल का पुत्र था। वह एक चरवाहा था। उसका एक छोटा भाई था, बिन्यामीन। और बिन्यामीन के जन्म के वक्त राहेल की मृत्यु हो गई थी।	याक़ूब के पूर्वज के बारें में बच्चों को याद दिलाना याक़ूब, इसहाक और रिबका का पुत्र था, और एसाव उसका भाई। वह बेर्शेबा में रहता था और मेसोपोटामिया में हारान के लिए भाग निकला क्योंकि उसे पहिलौठे अधिकार लूटने के लिए एसाव ने उसे मारने की योजना बनाई थी। (कहानी का सारांश करें) याकूब 77 साल का था जब वह बेर्शेबा छोड़ा। वह अपने मामा लाबान की सेवा में 20 साल बिताया। 33 साल कनान में और उनके जीवन के पिछले 7 वर्षों मिस्र में। बेर्शेबा से हारान तक की यात्रा लगभग 500 मील दूर थी।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. युसूफ कि भाइयों ने उसे नफरत की क्योंकि वे अपने गलत कामों के बारे में पिता याक़ूब को बताते थे। याक़ूब उसे प्यार करता था क्योंकि वह राहेल का पुत्र था और उसके बुढ़ापे में पैदा हुआ था। 2. रंगबिरंगा अंगरखा वास्तव में आस्तीन के साथ एक लंबे बागे था। जो यूसुफ के लिए याक़ूब का विशेष प्यार दिखाता था। लेकिन अपने भाईयों के दिल में उसके लिए ईर्ष्या, नफरत और कुढ़न था। 3. युसूफ का पहले सपने में, ग्यारह पूले बारहवीं पूले को दण्डवत करना उस बात की भविष्यवाणी थी कि एक दिन उसके भाई उसको दण्डवत करेंगे। दूसरे सपने भी भविष्यवाणी थी की उनके भाइयों के साथ याक़ूब (सूरज) लिआ - उनकी सौतेली माँ (चंद्रमा) भी उसका दण्डवत करेंगे क्योंकि राहेल पहले ही मर चुकी थी। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 1 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. परमेश्वर का समय सही था कि याकूब को उन्होंने उसी जगह जाने की निर्देशन दिया जहां हारान से कुछ चरवाहों अपने भेड़-बकरियां को पानी पिलाने आते थे और वही जगह राहेल अपने जानवरों का झुण्ड के साथ आ रही थी। 2. याकूब राहेल से शादी करना चाहता था लेकिन लाबान ने उन्हें उनकी बड़ी बहन लिआ से उसका शादी करके उसको धोखा दिया। फिर उसे राहेल से शादी करने से पहले 7 साल के लिए लैबान की सेवा करना पड़ा। उसके बाद उसे 7 और साल की सेवा करनी पड़ी। 3. याकूब ने धोखे बोया था और अब वह इसका परिणाम का कटाई कर रहा था। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 1 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	एक प्रश्नोत्तरी के साथ पाठ की समीक्षा करें जो बच्चों को पाठ 1 में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देने में मदद करेगा।	**??????????**
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. परमेश्वर को हर किसी के जीवन के लिए एक योजना है। जब हम प्रभु यीशु को हमारे उद्धारकर्ता के रूप में विश्वास करते हैं और रोज़ बाइबल पढ़के प्रार्थना करते हैं तो वे हमें मार्गदर्शन देकर हमारी जीवन में उसका योजना को सम्पन्न करेंगे। 2. ईर्ष्या का पाप से हमें बच के रहना चाहिए। बाईबल इसे 'क़ब्र के समान निर्दयी' कहता है। **(श्रेष्ठगीत 8:6)**	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** **??????????????????**

	B6 – लेवल 3 कहानी 2- युसूफ का जीवनकाल घृणित भाई।	B6 – लेवल 4 कहानी 2- याक़ूब और उनके परिवार पनीएल में।
	बाइबल अनुभाग: उत्पत्ति 37: 12-36 *मुख्य पद : रोमियों 6: 12* **हम सीख रहे की :** 1. पाप हमारे जीवन में एक मामूली ढंग से शुरू होता है और अगर हम प्रभु यीशु से माफी नहीं मांगते यह हमारी ज़िंदगी में बढ़कर उस पर पूरी तरह से कब्ज़ा कर लेंगे। 2. जब हमारे पाप का हमें एहसास होता है तो यह बहुत ही महत्वपूर्ण है कि हम तुरन्त ही उसे प्रभु यीशु के सामने कबूल करें।	*बाइबल अनुभाग: उत्पत्ति 32: 1-32* *मुख्य पद : उत्पत्ति 32: 11* **हम सीख रहे की :** 1. हताश होकर याकूब ने परमेश्वर से सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। 2. अंत में याकूब अपने जीवन परमेश्वर को समर्पित किया। अपना नाम परमेश्वर के सामने कबूलने के बाद परमेश्वर ने उसका नाम याकूब (चिली आदमी) से बदलकर इस्राएल (परमेश्वर का राजकुमार) रखा।
पहचान कराने	युसूफ की कहानी को पुनः अवलोकन करें और बच्चों को याकूब के परिवार में तनाव के कारणों को याद दिलाएं। उत्पत्ति 27 में याकूब ने एसाव से पहले अनुग्रह मिलने के लिए अपने पिता इसहाक को एक बकरी कि खाल का उपयोग करके धोखा दिया। यह मानना उचित है कि जब उसके बेटों ने उसे धोखा दिया तब याकूब इस बात को ज़रूर याद किया होगा। याकूब अपने जीवन में एक बार फिर धोखे का पीड़ा महसूस करता है।	**??????????????**
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. युसूफ के भाईयों को उसके प्रति नफरत इस हद तक है कि वे उन्हें गड्ढे में फेंक देते हैं। 2. युसूफ के भाईयों ने उसे चांदी के बीस टुकड़े के लिए इश्माएलियों (जिसे मिद्यानी भी कहा जाता है) को बेचते हैं जो मिस्र की ओर जा रहे थे। 3. युसूफ के पिता, याकूब का दिल टूट गए हैं क्योंकि उनके बेटों ने उनसे झूठ बोला था। वे उसे अंगरखा दिखाते हैं जो एक बकरी के खून में डूबा हुआ था और याकूब यह मानता है कि उसका बेटा मर चुका है। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 2 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. याकूब हारान से कनान जा रहा था। और उसे डर था कि एसाव उसे मार डालेगा जैसे उन्होंने बीस साल पहले कहा था। **(उत्पत्ति 27:41)** 2. याकूब ने सुना की एसाव 400 पुरुषों के साथ आ रहा था इसलिए उन्होंने अपने परिवार को दो झुण्ड में विभाजित किया ताकि पहले नष्ट हो जाए तो दूसरा बच निकल सकते थे। 3. एसाव को खुश करने के लिए याकूब कुल 580 जानवरों के लगातार तीन झुंडों आगे भेजा। 4. याकूब एक रात के लिए अकेला पनीएल में रुखा - उनके जीवन का सबसे बड़ा अनुभव। प्रभु ने उसका जांघ की नस चढ़ा दिया और उसका नाम याकूब से इस्राएल में बदल दिया। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 2 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	इस बात के बारे में चर्चा करें कि इस कहानी में इश्माएलियों के लिए परमेश्वर कैसे नियंत्रण में थे, हालांकि वे अनजान थे,युसूफ को मिस्र के लिए मुफ़्त परिवहन प्रदान किया जा रहा था ताकि उसे फिरौन के एक अधिकारी, पोतीपर को बेचा जा सके। युसूफ द्वारा परमेश्वर मिस्र को बहुतायत आशीर्वाद देने जा रहे थे और वह मिस्र का प्रभु बनने जा रहा था। समझाओ कि **भजन संहिता 76:10** में हम पढ़ते है की मनुष्य की जलजलाहट उसके स्तुति में बदल जाएगी और जो जलजलाहट रह जाए उसको रहा जाएगा।	प्रश्न पूछकर इस अध्याय का समीक्षा करें जिसे बच्चों को अध्ययन 2 में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर भरने में मदद करेगा। निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ पर ध्यान आकर्षित करें: महानैम **(पद 2)** - दो मेज़बान या दो दल याकूब **(पद 27)** - छली या चिली आदमी इस्राएल **(पद 28)** - परमेश्वर से युद्ध करने वाला या परमेश्वर का राजकुमार। पेनीएल **(पद 30)** - परमेश्वर का स्वरूप
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. चर्चा करें यदि बच्चों ने दूसरों के प्रति उनके दिल में नफरत या ईर्ष्या महसूस की है? यदि हां, तो हम सभी को अपने पाप को प्रभु यीशु के सामने मानना होगा और इन बुराइयों से मुक्त रहने की शक्ति के लिए प्रार्थना करें। 2. मुख्य पद **रोमियों 6:12** सीखें, और बच्चों को इसे अपने जीवन में मार्गदर्शक सिद्धांत बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. याकूब परमेश्वर के साथ अकेला था **(पद 24)** पापी होने के कारन हमें मुक्ति प्राप्त करने के लिए परमेश्वर से व्यक्तिगत संबंध होना चाहिए। सभी को अपने पापों को क्षमा के लिए परमेश्वर से मिलना चाहिए। 2. स्वर्गदूत याकूब के साथ मल्लयुद्ध किया **(पद 24)** और उसका गर्व और पाखंड को छीन लिया। केवल परमेश्वर ही हममें से किसी के लिए ऐसा कर सकते हैं। 3. याकूब का नाम बदला गया था। हम सभी को हमारे नाम बदल कर मसीही रकना चाहिए। तब हमारे नज़रिया, व्यक्तित्व, परमेश्वर के साथ सबंध और उनके साथ के रिश्ते में बदलाव आएंगे।

	B6 – लेवल 3 कहानी 3- युसूफ का जीवनकाल ईमानदार क़ैदी।	B6 – लेवल 4 कहानी 3- याक़ूब और उनके परिवार बेतेल में।
	बाइबल अनुभाग: उत्पत्ति 39: 1- 6; 19-23 *मुख्य पद : उत्पत्ति 39: 21* **हम सीख रहे की :** 1. हालांकि युसूफ घर से बहुत दूर मिस्र में था, फिर भी वह सबसे कठिन परिस्थितियों में भी परमेश्वर के प्रति वफादार रहे। 2. परमेश्वर की नज़र जोसेफ़ पर था और उसके लिए एक महान भविष्य संग्रहित कर रखा है। **(रोमियों 8: 28)**	*बाइबल अनुभाग: उत्पत्ति 35: 1-15* *मुख्य पद : भजन संहिता 37:7* **हम सीख रहे की :** 1. मसीही अपने जीवन में कभी-कभी हम परमेश्वर के मार्ग से भटक जा सकते हैं लेकिन वे हमें कभी नहीं छोड़ता है और न ही हमें त्याग देता है। 2. मसीही को अपने अतीत की विफलताओं से निपटने और भविष्य में आने वाली कठिनाइयों और परीक्षणों का सामना करने में मदद की ज़रूरत पड़ सकता है।
पहचान कराने	उन अन्यायों के बारे में चर्चा करें जो लोगों को निर्दोष होने पर भी सलाखों के पीछे डालता है। समझाओ कि युसूफ के साथ भी ऐसे ही हुआ था। बताएं कि आज कुछ देशों में, अपने विश्वास के लिए कई लोग बंदीगृह में है। यह लोग उनके गलत कामों की वजह से नहीं हालांकि बाइबल से जो कुछ उन्होंने सीखा है, उस पर भरोसा करके, परमेश्वर के प्रति वफादार होने के कारण पीड़ित है।	इस तथ्य की ओर ध्यान देकर अध्ययन का परिचय दें कि जो लोग परमेश्वर पर भरोसा करते हैं, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित होती है - प्रभु में सुरक्षा है। **भजन समिता 91:2,15** और **रोमियों 8: 31** इस को स्पष्ट करते हैं। परिचय और पृष्ठभूमि के लिए इन पद का जिक्र कर सकते है।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. इश्माएलियों ने युसूफ को दास बनने के लिए फिरौन के एक अधिकारी, पोतीफर को बेचा था। 2. पोतीफर की पत्नी ने उसके बारे में झूठा आरोप लगाया और उसे बंदीगृह में फेंक दिया। 3. युसूफ को बंदीगृह में अच्छा व्यवहार का कारण दरोगा ने उसे बंदीगृह का अधिकारी रखा। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 3 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. परमेश्वर ने याकूब को लगभग तीस साल पहले **उत्पत्ति 28:20-22** में किए गए प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए आदेश दिया। फिर बेतेल लौटा। 2. याकूब ने अपने परिवार को पराए देवताओं को दूर करके कपड़े साफ करने का आदेश दिया और जब वे ऐसे किया तो वे अपने जातियों के लिए खौफ बन गए। 3. वह एलबेतेल में एक वेदी बनाया और परमेश्वर का दण्डवत किया जिन्होंने उसे एसाव से संरक्षित किया था। 4. परमेश्वर फिर से बेतेल में याकूब को मिलते हैं और उस वाचा को नवीनीकृत करता है जो उसने अब्रहम और इसहाक के साथ किया था। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 3 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	इस पाठ की समीक्षा करने के लिए बच्चों को व्याख्या करने को कहे कि परमेश्वर युसूफ के जीवन के लिए शैतान के उद्देश्य को कैसे हरा देता है। और कैसे युसूफ अन्त में एक निर्दोष, भरोसेमंद और जिम्मेदार विश्वासी के रूप सामने आता है।	राहेल ने अपने बच्चे का नाम बेनोनी रखा जिसका अर्थ है 'मेरे दुःख का पुत्र' लेकिन याकूब ने उसका नाम बिन्यामीन रखा, अर्थात 'मेरे दाहिने हाथ का पुत्र' इस बात पर चर्चा करें कि यह अध्याय एक और जन्म को चित्रित करता है जो अभी तक हुआ नहीं था - अर्थात प्रभु यीशु मसीह का जन्म और यह कि वह क्रूस के दुख को सहन करके फिर स्वर्ग में परमेश्वर के दाहिने हाथ से सर्वोच्च पद पाएगा। जैसे याकूब के लिए बेतेल एक यादगार अनुभाव था उसी तरह क्रूस भी प्रभु यीशु मसीह और उन पर विश्वास करते लोगों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव है।
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. गौर करें की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी अगर हम परमेश्वर पर विश्वास करके उसका पालन करें तो प्रभु यीशु मसीह हमारी देखभाल करने के बारें में इस पाठ हमें क्या सिखाया। 2. एक मसीही होने से हम परीक्षा या कठिनाइयों से मुक्त नहीं है। ऐसे परिस्थितियों हमें कैसे प्रतिक्रिया करनी चाहिए ? 3. बाइबल में अन्य लोगों के बारे में सोचें जो अपने विश्वास के लिए बंदीगृह में डाले गए थे।	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. बाइबल पढ़ने और प्रभु के दैनिक मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना करके हमें अपने जीवन में प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए। 2. हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण 'बेतेल अनुभव' पर चर्चा करें। 3. मसीही के रूप में जब हम कठिनाइयों में होते हैं तो हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम **इब्रनियों 13:5** के पिछला हिस्से को याद करना चाहिए - 'मैं तुम्हें कभी नहीं छोड़ूंगा, और न कभी तुझे त्यागूंगा।'

	B6 – लेवल 3 कहानी 4- युसूफ का जीवनकाल नया नेता।	B6 – लेवल 4 कहानी 4- याक़ूब और उनके परिवार कनान में।
	बाइबल अनुभाग: उत्पत्ति 41: 14-49 ***मुख्य पद : उत्पत्ति 41: 32*** **हम सीख रहे की :** 1. युसूफ ने दो सपनों की व्याख्या करने की उनकी क्षमता के लिए परमेश्वर को श्रेय दिया और इस विनम्रता की वजह से परमेश्वर ने उसे जिम्मेदारी सौंप दिया। 2. युसूफ परमेश्वर के प्रति ईमानदार था और परमेश्वर उसकी देखभाल करते थे।	***बाइबल अनुभाग: उत्पत्ति 37: 1-36*** ***मुख्य पद : इफिसियों 4: 31-32*** **हम सीख रहे की :** 1. पक्षपात ईर्ष्या की वजह बन सकता है और ईर्ष्या आगे बढ़कर बहुत गंभीर पाप पैदा कर सकती है जो लोगों के जीवन में बहुत बुरी परिणाम ला सकते है - ईर्ष्याजनक व्यक्ति और पीड़ित दोनों के लिए। 2. हालांकि उनके भाइयों को कई सालों तक अपने पापों के साथ रहना पड़ा था। अंततः युसूफ अपने पिता की मौत से पहले उनके सामने प्रकट होकर क्षमा और सुलह करता है। याकूब के परिवार को और उनकी वर्तमान स्थिति को पेश करें।
पहचान कराने	अभ तक की कहानी का संशोधन करें और व्याख्या करें कि परमेश्वर युसूफ का जीवन में अपना उद्देश्य को सम्पन्न कर रहा था। इशारा करें कि युसूफ की अच्छी साक्ष्य के कारण **(पद 39)** उन्हें मिस्र का अधिकारी बनाया गया था। **पद 42** में अंगूठी से पता चलता है कि अब वह एक गुलाम की पद से राजा के पुत्र की पदवी में उठाया गया है। फटे कपड़ें के जगह बढ़िया मलमल के वस्त्र पहिनाया गया, एक सोने की माला डाला, और रथ पर भी चढ़वाया यह दिखने के लिए की वह अब वह अब एक बंदी नहीं लेकिन फिरौन के राज्य में स्वतंत्र था। वह 17 साल में गड्ढे से उठकर अब 30 साल में एक सर्वोच्च स्थान में पहुँच गया था। वह एक जवान था जिसे बड़ा ज़िम्मेदारी का काम सौंपा गया था।	अन्य बाइबल पदों का जिक्र करके इस अध्ययन के लिए पृष्ठिका सेट करें: **1. भजन्न संहिता 56** - चर्चा करें की चाहे शैतान दूसरों के उपयोग करके उन पर कितना भी हमला करने का कोशिश करें परमेश्वर मसीही का देखभाल करता है । **2. मत्ती 5: 43-48; इफिसियों 4: 22-32** - बच्चों को अपने पीड़ा और कठिनाई के समय इन बाइबल पदों में दिए मसीह - स्वभाव को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें। यह पीड़ा प्रभु के विरोधियों और अनुयायियों से भी हो सकता है।
पूरा करने	**बाइबल कहानी को पेश करें** **चर्चा करें और समझाएं:** 1. फिरौन एक स्वप्न देखता है और सपने को व्याख्या करने के लिए युसूफ को बन्दीगृह से लाया गया। 2. युसूफ ने फिरौन के दो सपने का व्याख्या किया - सात साल का सुकाल और सात साल के अकाल। फिरौन ने युसूफ को मिस्र का अधिकारी बनाया। और युसूफ ने भोजनवस्तु इकट्ठा करने का व्यवस्ता प्रबन्ध किया। 3. सुकाल के वर्षों में भोजनवस्तु की बहुतायत इतना बड़ा था की इसका रिकॉर्ड रखना असंभव था। जब सात वर्ष का अकाल आया तब मिस्र के ही नहीं पास के देशों के भूखे लोगों के लिए भी भोजनवस्तु उपलब्ध था। **मुख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम पाठ 4 को पूरा करें।**	**बाइबल की कहानी को प्रस्तुत करें।** **चर्चा और व्याख्या करें।** 1. युसूफ सपने देखते थे और इसके कारण उनके भाई उन्हें नफरत करते थे। 2. याकूब ने युसूफ को उसके स्नेह की निशानी के रूप में एक रंगबिरंगा अंगरखा दिया था। इसके कारण उनके भाइयों ने उसे और घृणा किया। 3. युसूफ के सपने से संकेत मिलता है कि उसके ग्यारह भाई, लिआ और याकूब भविष्य में उसे दण्डवत करेंगे। 4. युसूफ के भाई गुस्से में थे और उसे मारने की योजना बनाया और उसे इश्माएलियों (मिद्यानीयों) को बेच दिया। अनजाने में वे युसूफ के भविष्य की पदोन्नति के लिए परमेश्वर की योजना से अनुसार सब कर रहे थे। 5. उनके भाइयों ने संवेदनाहीन ढंग से युसूफ का अंगरखा ख़ून में डूबाकर याकूब को वापस कर दिया। याकूब ने स्वीकार कर लिया की जो पुत्र को वह इतना प्यार करता था वह मर चूका था और उसने शौक मनाया। कपटी याकूब अब खुद धोखा खाया था। **मख्य पद को समझाएं और बच्चों को इसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। बाइबल टाइम अध्याय 4 को पूरा करें।**
पुनरवलोकन करने	बच्चों को कल्पना करने के लिए कहें कि वे युसूफ हैं, और वे अपने अपनी नई नौकरी के बारे में पिता याकूब को चिट्ठी लिख रहा हैं। वह पत्र में क्या लिखेगा?	इस अध्ययन की समीक्षा करके सवाल पूछें कि: 1. सुनिश्चित करें की बच्चों यह समझते है कि परमेश्वर अपने जीवन में सभी परिस्थितियों पर नियंत्रण में हैं और वे नहीं चाहत ही हम बुराई के बदले बुराई वापस करें। 2. सुनिश्चित करें कि अध्ययन 4 में प्रश्नों के उत्तर देने में उन्हें मदद मिलती है
पालन करने	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. यह कहानी हमें कैसे प्रोत्साहित करती है? 2. अपने दैनिक जीवन में आज्ञाकारी और विश्वासयोग्य होने के बारे में आपने क्या सीखा है? आशीर्वाद में आप क्या उम्मीद कर सकते हैं?	**यह पाठ हमें कैसे चुनौती देता है:** 1. सवाल करें कि क्या **इफिसियों 4:32** हमारे जीवन में एक मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। 2. क्योंकि प्रभु यीशु अच्छा या बुरे लोगों के लिए कोई पक्षपात नहीं दिखाता है। क्या हम मसीही होकर दूसरों से न्यायपूर्ण और दयालुता से व्यवहार करते हैं?

पाठ को अंकन करने शिक्षको केलिए मार्गदर्शन

लेवल 3 पाठ:

- हर हफ्ते एक/दो पन्ने को मुख्य रूप से रंग भरने या सवालों के जवाब देने।
- हर हफ्ते 10 अंक निर्धारित किए है और एक महीने में अधिकतम 40 अंक।
- लेवल 1 के बच्चों को अक्सर पढने में तकलिफ हो सकता है इसलिए हम चाहते है कि माता-पिता/ रक्षक/शिक्षक उनके सहायता करे।
- हम हर सवाल केलिए 2 अन्क निर्धारित किए है और शेष अन्क रंग भरने केलिए ऐक अध्याय केलिए 10 अन्क।

लेवल 4 पाठ:

- हर हफ्ते 4 पन्ने।
- कहानी पाठ में ही निहित है। बच्चों को पहेली सुलझाने, रंग भरने, मुख्य पद को पूरा करना है।
- 20 अन्क हर हफ्ते केलिए निर्धारित है और एक महीने केलिए अधिकतम 80 अन्क।

बाइबल टाइम के मार्किन्ग

निर्देश:

शिक्षक पहले:

- पाठ को जाँच कर चिन्हित करे।
- निर्देश अनुसार आवश्यक अन्क है।
- गलत जवाब के पास चिन्हित करे और सही जवाब भी लिखे।
- आन्शिक रूप से सही उत्तर केलिए एक अन्क दे।
- एक महीने के कुल अन्क के दिए हुए जगह में लिखो।

© Bible Educational Services 2020
www.besweb.com